निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शनिवार 17 सितंबर 2022 | पीडीएफ अंक-150 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –33 सूर्योदय – 6 : 06
न्यूनतम – 24 सूर्यास्त – 6 : 24

सोना चांदी

सोना – 51010.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 57000.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स –58840.79 निफ्टी – 17530.85
रु/यूएस डॉलर – 79.72 रु/यूरो – 79.53

न्यूज फ्लैश

राष्ट्रपति मुर्मू ने लखनऊ में दीवार गिरने की घटना पर जताया दुख

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में दीवार गिरने से हुई जनहानि पर दुख प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्वीट संदेश में कहा, लखनऊ में दीवार गिरने से लोगों की मृत्यु का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुःख हुआ है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं, घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उल्लेखनीय है कि लखनऊ के कैंट स्थित दिलकुशा कॉलोनी में गिरी निमार्णाधीन दीवार के मलबे में दबकर तीन बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हो गई।

स्कूलों में कॉमन ड्रेस कोड लागू करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में कॉमन ड्रेस कोड लागू करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस हेमंत गुप्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये ऐसा मसला नहीं है जिस पर कोर्ट फैसला करे। भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय के पुत्र निखिल उपाध्याय ने दायर याचिका में कहा है कि कॉमन ड्रेस कोड से छात्रों में सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का भाव बढ़ेगा। कॉमन ड्रेस कोड शैक्षणिक संस्थाओं में समानता, भाईचारा, एकता और राष्ट्रीय अखंडता को बढ़ावा देगा। याचिका में कहा गया है कि अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, सिंगापुर और चीन के सभी स्कूल एवं कॉलेजों में कॉमन ड्रेस कोड है। याचिका में कहा गया है कि अगर सभी छात्रों के लिए कॉमन ड्रेस कोड होगा तो कपड़ों के भीतर हथियार छिपाकर लाने की आशंका खत्म हो जाएगी। कॉमन ड्रेस कोड न सिर्फ हिंसा को कम करेगा बल्कि इससे सकारात्मक शैक्षणिक माहौल बनेगा।

शहर के बुक कैफे स्वयं सहायता समूह करेंगे संचालित : सुरेश भारद्वाज

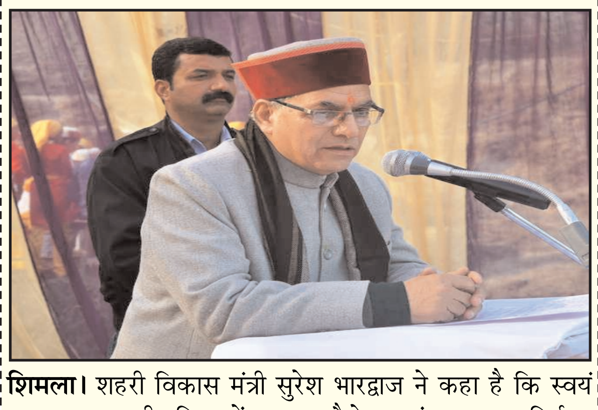

शिमला। शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कहा है कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बुक कैफे का संचालन आत्मनिर्भरता के एक नए मॉडल की शुरूआत है। इससे न केवल स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के लिए बाजार मिलेगा बल्कि शहरवासियों को पढ़ने-लिखने के लिए एक बेहतर स्थान भी उपलब्ध होगा। सुरेश भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाए-एनयूएलएम) के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं शिमला के नवनिर्मित बुक कैफे संचालित करेंगी। उन्होंने कहा कि शिमला शहर में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत बुक कैफे का निर्माण किया गया है। चौड़ा मैदान और छोटा शिमला में हाल ही में बुक कैफे का उद्घाटन भी किया गया है जबकि संजौली तथा न्यू शिमला में काम चल रहा है। इन बुक कैफे को चलाने के लिए विभिन्न मॉडलों का अध्ययन किया और यह निर्धारित किया गया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं इन बुक कैफे को चलाएंगी। सुरेश भारद्वाज ने कहा कि उन्होंने शहरी क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों को बाजार में स्थान देने का वादा किया था। महिलाएं न केवल अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का काम करेंगी बल्कि बुक कैफे का प्रबंधन भी करेंगी। शहरी विकास मंत्री ने कहा कि शिमला में 200 से अधिक स्वयं सहायता समूह हैं। नगर निगम शिमला का एन.यू.एल.एम. डिवीजन स्वयं सहायता समूहों के साथ समन्वय करेगा और काम में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगा। सुरेश भारद्वाज ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के मेलों व प्रदर्शनियों में महिलाओं द्वारा मार्केटिंग का मुद्दा उठाया जाता था। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पाद की पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर पहले से ही काम किया जा रहा है और इनको एक बाजार उपलब्ध करवाने की दिशा में बुक कैफे एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। बुक कैफे न केवल इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का बल्कि पढ़ने-लिखने वालों के लिए भी एक बेहतर मॉडल साबित होगा। चौड़ा मैदान का बुक कैफे विधानसभा के पास स्थापित पुस्तकालय के भार को कम करने में मददगार साबित होगा और बच्चों को पढ़ने-लिखने का स्थान भी मिलेगा। सुरेश भारद्वाज ने कहा बुक कैफे को लेकर विभिन्न प्रकार के विकल्पों पर विचार किया गया, लेकिन इन स्थानों का व्यवसायीकरण न हो इसलिए महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा इनका प्रबंधन करने का निर्णय लिया गया है।

एससीओ शिखर वार्ता की मेजबानी के लिए चीन ने भारत का समर्थन किया

समरकंद/नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतीन ने भारत के अगले वर्ष शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की अध्यक्षता ग्रहण करने का स्वागत किया है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में चल रहे एससीओ शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग ने कहा कि चीन अगले वर्ष भारत द्वारा एससीओ की अध्यक्षता ग्रहण करने का समर्थन करता है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतीन ने भी भारत को अगले वर्ष एससीओ शिखर वार्ता की मेजबानी करने के लिए बधाई दी है। यह पहला अवसर होगा जब भारत इस संगठन की शिखर वार्ता की मेजबानी करेगा। भारत वर्ष 2017 में इस संगठन का पूर्ण सदस्य बना था। उल्लेखनीय है कि अगले वर्ष 2023 में भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले देशों के संगठन जी-20 की शिखर बैठक का भी आयोजन करेगा। दो प्रमुख विश्व संगठनों की शिखर वाताओं की एक साथ मेजबानी भारत की बढ़ती शाख और प्रभाव का द्योतक है। समरकंद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग दो साल से अधिक समय के अंतराल के बाद आमने-सामने आये। एससीओ सदस्य देशों और पर्यवेक्षक देशों के नेताओं के ग्रुप फोटोग्राफ में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगल-बगल खड़े थे। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी क्षेत्र में सैन्य संघर्ष के बाद दोनों नेता पहली बार एक मेज पर नजर आये। हालांकि दोनों नेताओं के बीच एससीओ और ब्रिक्स देशों की बैठकों में दोनों नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये शामिल हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद राज्यपाल कोश्यारी और गृह राज्यमंत्री टेनी के खिलाफ याचिका वापस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी को पद के अयोग्य बताने वाले याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस ले ली। एनजीओ लोक प्रहरी ने दोनों के कुछ बयानों के चलते उन्हें हटाने की मांग की थी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिक-ाकर्ता को चेतावनी दी कि समय बर्बाद करने के लिए हजार्ना वसूला जाएगा। कोर्ट ने कहा कि ऐसी याचिका दाखिल कर आप सिर्फ सरकारी खजाने को ही नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं बल्कि कोर्ट में किसी दूसरे का समय भी ले रहे हैं। इसके बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली। याचिका में कोरोना के दौरान मंदिरों को खोलने के बयान को आधार बनाकर याचिका में महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को हटाने की मांग की गई थी। वहीं किसान आंदोलन के दौरान दिए गए अजय मिश्रा टेनी के बयान को आधार बनाकर कार्रवाई की मांग की गई थी।

अब बीस साल तक लगातार सत्ता में रहेगी भाजपा : जयराम ठाकुर

कुल्लू। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा प्रगतिशील हिमाचलः स्थापना के 75 वर्ष समारोहों की कड़ी में आज बंजार विधानसभा क्षेत्र व कुल्लू विधान सभा में करोड़ों रुपए की योजनाओं के शिलान्यास ओर उद्घाटन किए गए। बंजार मेला ग्राउंड ओर एतिहासिक मैदान ढालपुर में मुख्यमंत्री ने विशाल जन सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बंजार में 60 करोड़ रुपये की 17 विकासात्मक परियोजनाओं ओर कुल्लू में 26 करोड़ रुपए की लागत की 8 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किए। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के गठन के 75 वर्ष के उपलक्ष्य पर प्रदेश भर में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों में सरकार को मिल रहे अपार जनसमर्थन से कांग्रेस के नेता बौखला गए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को जवाब देते हुए कहा कि इन समारोहों का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा हिमाचल में भी जनता ने मन बना लिया है कि प्रदेश में रिवाज बदलेगा ओर 20 साल के लिए प्रदेश में लगातार भाजपा की सरकार रहेगी। भाजपा प्रदेश में विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी देश में भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं वहीं कांग्रेस के लोग कांग्रेस छोड़ो यात्रा में लगे हुए हैं।

वक्फ एक्ट को चुनौती देने के मामले में केंद्र, सेंट्रल वक्फ काउंसिल को दिल्ली हाई कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने वक्फ एक्ट को चुनौती देने के मामले में खुद को पक्षकार बनाये जाने की जमीयत उलेमा ए हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, सेंट्रल वक्फ काउंसिल को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी। जमीयत ने वक्फ एक्ट को चुनौती देने वाली अश्विनी उपाध्याय की अर्जी खारिज करने की मांग की है। 12 मई को कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। वक्फ एक्ट को लेकर एक याचिका देवेंद्र नाथ त्रिपाठी ने दायर की है। याचिका में वक्फ एक्ट की धारा 4,5,6,7,8,9,14 और 16(ए) को चुनौती दी गई है। याचिका में इन धाराओं को गैरकानूनी घोषित करने की मांग की गई है। दूसरी याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। उपाध्याय की याचिका पर हाई कोर्ट नोटिस कर चुका है। उपाध्याय की याचिका में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड को ट्रस्टों, मठों, अखाड़ों और सोसायटीज से ज्यादा और निर्बाध अधिकार मिले हुए हैं जो उसे एक विशेष दर्जा देते हैं। याचिका में मांग की गई है कि सभी ट्रस्टों, चैरिटेबल संस्थाओं, धार्मिक संस्थाओं के लिए एक समान कानून बनाए जाएं। याचिका में कहा गया है कि वक्फ और वक्फ संपत्तियों के लिए अलग से कानून नहीं बनाया जा सकता है। याचिका में वक्फ कानून की धारा 4, 5, 6, 7,8 और 9 को मनमाना और गैरकानूनी बताया गया है। याचिका में कहा गया है कि वक्फ कानून के ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन करती हैं। याचिका में कहा गया है कि वक्फ एक्ट वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन करने की आड़ में बनाया गया है, लेकिन वक्फ एक्ट के तहत हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, बहाई या ईसाई धर्मावलंबियों के लिए कोई कानून नहीं है। ऐसा देश की एकता, अखंडता और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है। यहां तक कि देश के संविधान में भी वक्फ का कोई जिक्र नहीं है। याचिका में मांग की गई है कि धार्मिक संपत्तियों के वि-वादों का निर्धारण केवल देश की सिविल कोर्ट के जरिये करने के लिए दिशानिर्देश जारी करना चा-हिए न कि वक्फ ट्रिब्युनल के जरिये। याचिका में मांग की गई है कि लॉ कमीशन को सभी ट्रस्टों और चैरिटेबल संस्थाओं के लिए एक समान संहिता बनाने का दिशानिर्देश जारी करना चाहिए। बता दें कि अश्विनी उपाध्याय की ऐसी ही याचिका सुप्रीम कोर्ट पिछले 13 अप्रैल को खारिज कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम संसद को कानून बनाने के लिए नहीं कह सकते हैं।

दिल्ली में नहीं बनाए जा रहे हैं लैंडफिल साइट : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल झूठा आरोप लगा रहे हैं कि दिल्ली में 16 नये लैंडफिल साइट बनाए जा रहे हैं। बिधूड़ी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि हैरानी की बात यह है कि नगर निगम द्वारा इस आधारहीन आरोप का खंडन करने के बावजूद आज मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इसी आरोप को लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर डाली। केजरीवाल और उनके सहयोगी यह समझते हैं कि एक झूठ को सौ बार बोलो तो वह सच हो जाता है जबकि सच्चाई यह है कि झूठ हमेशा झूठ ही रहता है। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में अगर 16 लैंडफिल साइट बन रहे होते तो उसका या तो नगर निगम में कोई प्रस्ताव होता या उन जगहों के नाम होते जहां इन्हें बनाया जाना है लेकिन मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री ने कोई दस्तावेज पेश करना तो दूर, उसका उल्लेख तक नहीं किया। उससे जाहिर है कि इस निराधार आरोप को आम आदमी पार्टी ने दिमाग में बुन लिया और जनता के सामने पेश कर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने कूड़े के पह-ाड़ों को कम करने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाया। अब उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इन पहाड़ों को खत्म करने का बीड़ा उठाया है और वह लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं स्वीकार किया है कि उपराज्यपाल ने मीटिंग में उनसे भी इस समस्या पर बात की है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि दिल्ली सरकार अब उपराज्यपाल के साथ सहयोग करके तीनों लैंडफिल साइट की ऊंचाई कम करने के सुझाव देती।

पाठ्यक्रम के जरिए देशभक्त बन रहे हैं दिल्ली के बच्चे : सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि राजधानी में बच्चों को देशभक्त बनाने के लिए दिल्ली के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं। सिसोदिया ने शुक्रवार को पालम के सर्वोदय विद्यालय के दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार के स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम के जरिए बच्चे न केवल कट्टर देशभक्त बन रहे है बल्कि इस पाठ्यक्रम के जरिए उन्हें अपने करियर को चुनने और उसे पाने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा मिल रही है। सिसोदिया ने कहा कि देशभक्ति पाठ्यक्रम से हमारे बच्चों में राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने की भावना जागृत हो रही है। इस पाठ्यक्रम को लागू करने से 11वीं-12वीं में पढ़ने वाले बच्चे भी देशभक्ति की भावना से प्रेरित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों का कहना है कि देशभक्ति क्लास से उन्हें परीक्षा की तैयारी व करियर पर पूरी लगन से मेहनत करने के लिए प्रेरणा मिल रही है। देशभक्ति पाठ्यक्रम बच्चों को कट्टर देशभक्त बनाने के साथ, जिंदगी में सफल होने की ताकत दे रहा है।

अंबेडकर के विचारों के अनुरूप है देश की नई शिक्षा नीतिः कोविंद

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को कहा कि देश की नई शिक्षा नीति डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों एवं दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने आगे कहा कि कई जटिल कानूनों को बदलने वाले चार श्रम संहिताएं, मजदूरों के लिए सार्वभौमिक खाता संख्या डॉ. अम्बेडकर की दूरदृष्टि का परिणाम है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद शुक्रवार को 'अंबेडकर एंड मोदीः रिफॉर्मर्स आइडियाज परफॉर्मर्स इम्प्लीमेंटेशन' पुस्तक के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन, केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ एल मुरुगन मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश बालकृष्णन ने डॉ. अंबेडकर के योगदान को भारत के महानतम विचारकों के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियां डॉ. अंबेडकर द्वारा प्रस्तुत भारत के विचार के सार को लागू कर रही हैं। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पुस्तक बाबा साहेब डॉ अंबेडकर के विचारों का एक संग्रह मात्र नहीं है, बल्कि पिछले आठ सालों में नरेंद्र मोदी द्वारा डॉ अंबेडकर के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए किए जा रहे कठोर प्रयासों का एक दस्तावेज है। अंबेडकर ने समानता, मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने भेदभाव रहित समाज की कल्पना की थी, जिसने हाशिए के लोगों को मुख्यधारा में लाया है। सरकार के मूल दर्शन को रेखांकित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि शुरूआत में ही प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि वह दलितों एवं वंचित वर्गों के लिए समर्पित रहेंगे। तब से, स-रकार के कार्यों और नीतियों में अंत्योदय की झलक दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना ने 34 करोड़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े समुदाय के सदस्यों को 18 लाख करोड़ रुपये की गारंटी के बिना ऋण प्रदान करने में मदद की है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के सदस्यों में उज्ज्वला योजना के 3.1 करोड़ लाभार्थी शामिल हैं और ऐसे समुदायों के सदस्यों को 1.31 करोड़ पक्के घर प्रदान किए गए हैं। बाबा साहेब के सम्मान में मोदी सरकार ने पंच तीर्थ का गठन किया।

भारत 19-24 सितंबर तक दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय बीज संधि के 9वें सत्र की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली। खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधन संधि (आईटीपीजीआरएफए) की अंतरराष्ट्रीय संधि के शासी निकाय का नौवां सत्र 19-24 सितंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित किया जाएगा। कृषि मंत्रालय ने शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान यह जानकारी दी।

मंत्रालय के अनुसार यह संधि, जैविक विविधता कन्वेशन (सीबीडी) के सामंजस्य में, विश्व के खाद्य एवं कृषि पादप आनुवांशक संसाधनों (पीजीआरएफए) के संरक्षण, विनिमय और सतत उपयोग के माध्यम से खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने, इसके उपयोग से होने वाले लाभ के समान बंटवारे के साथ-साथ किसानों के अधिकारों की मान्यता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जीबी9 का आयोजन "सेलिब्रेटिंग द गार्जियंस ऑफ क्रॉप डायवर्सिटी टूबईस ए इनक्लूसिव पोस्ट-2020 ग्लोबल बायोडायवर्सिटी फ्रेमवर्क" थीम के तहत किया जा रहा है। इस थीम का उद्देश्य पीजीआरएफए के प्रभावी प्रबंधन में विश्व के छोटे किसानों के योगदान को महत्व देना और यह विचार करने का अवसर प्रदान करना है कि यह संधि और इसका समुदाय नए वैश्विक जैव विविधता ढांचे में अपना योगदान किस प्रकार दे सकता है। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वर्ष 2019 में रोम में शासी निकाय के 8वें सत्र (जीबी8) में भाग लिया था। इस वर्ष जीबी9 की मेजबानी भारत में करने का प्रस्ताव रखा गया है।

सम्पादकीय

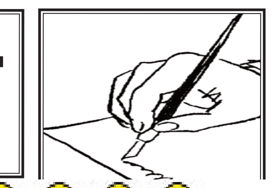

ओजोन परत के बिना समाप्त हो जाएगा पृथ्वी पर जीवन

ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए मॉन्ट्रियल में 16 सितम्बर 1987 को एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है। इस वर्ष विश्व ओजोन दिवस की थीम है मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल@35: पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करने वाला वैश्विक सहयोग। आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई है कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई। जलवायु परिवर्तन के चलते आज विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। पिछले दिनों एक रिपोर्ट में कहा गया कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना शुरू हो जाते हैं और सर्दी की तुलना में गर्मी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुंचने वाली पराबैंगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिकी तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। ओजोन परत वातावरण में बनती है। जब सूर्य से पराबैंगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती है और ये परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं।

जन आकांक्षाओं को पूर्ण करते - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

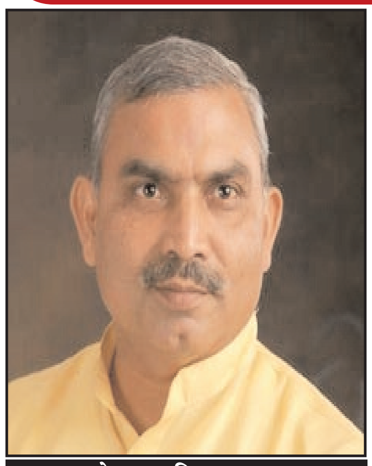

लेखक- शिव प्रकाश /ईएमएस

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था की विशेषताओं के संदर्भ में अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का प्रसिद्ध वाक्य "Of the people, By the people, For the people" है। भारतीय संविधान निमार्ताओं ने भी इसी को आधार माना कि लोकतंत्र का उद्देश्य "जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए" है। अर्थात हमारी समस्त व्यवस्थाओं का आधार जनता है। जनता के द्वारा का अर्थ है कि जनता के वोट से जन प्रतिनिधियों का चयन होगा एवं चयनित जनप्रतिनिधि शासन के सूत्र सम्हाल कर नीति बनाते हुए जनता के कल्याण के लिए कार्य करेंगे। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि जनता केवल वोट देने तक ही सीमित रहेगी। जनता देश के विकास में सक्रिय योगदान दे, वह सही जनप्रतिनिधियों का चयन करे, इसके लिए वह स्वार्थी न हो, क्षुद्र वृतियों से दूर रहे अर्थात निस्वार्थ, राष्ट्रभक्त, शिक्षित एवं संस्कारित हो। जनता में भविष्य के लिए श्रेष्ठ भारत बनाने का स्वप्न एवं संकल्प रहना आवश्यक है। यह कार्य उचित शिक्षा, नैतिक संस्थान एवं जन नेताओं के श्रेष्ठ आचरण के द्वारा होना संभव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज में यह संकल्प जगाने के लिए स्वयं का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। विकास में सामान्य जन की सहभागिता मोदी जी की अनुकरणीय पहल है। भारत भविष्य में विश्व में श्रेष्ठ होगा यह विश्वास भारतीय जनमानस में जागृत हुआ है।

स्वयं का उदाहरण- भारतीय जनसंघ (भारतीय जनता पार्टी) के तत्व द्दष्टा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी से जब यह प्रश्न पूछा गया कि आप राजनीति में क्यों है तब उनका उत्तर था कि नेता शब्द की विकृत हुई छवि के स्थान पर नेता शब्द की सही छवि स्थापित करने के लिए। राजनीतिक नेतृत्व के स्वार्थपूर्ण, विभाजित दृष्टि एवं वोट प्राप्ति के लिए गिरते व्यवहार के कारण समाज में नेताओं के प्रति अनास्था का वातावरण बना है। जो नेतृत्व समस्याओं के समाधान का माध्यम होना चाहिए था, जनता उसे ही समस्या मानने लगी। गुजरात के मुख्यमंत्री एवं 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री रहते हुए नरेंद्र मोदी जी ने अपना उदाहरण जिस प्रकार से प्रस्तुत किया उससे जनता को लगने लगा कि यह व्यक्ति ही हमारी आकांक्षा पूर्ति का माध्यम हो सकता है। कठोर परिश्रम, पारदर्शी छवि, प्रत्येक संकट में सदैव अग्रसर रहना एवं आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णय लेना, यह सभी विशेषताएं मोदी जी को शेष में कुछ विशेष बनाती हैं। बिना सुरक्षा घेरे के लाल किले से संबोधन उनकी निर्भीकता के साथ-साथ जनता में भी निर्भयता का वातावरण तैयार करता है। मेट्रो ट्रेन में सामान्य नागरिक के समान यात्रा, बच्चों के साथ घुलना मिलना एवं नागरिकों से संवाद उनकी सहजता एवं सादगी को दशार्ता है। भ्रष्टाचार पर कठोर प्रहार ने भ्रष्टाचारियों में भय एवं गरीबों में एक विश्वास का वातावरण तैयार किया है। इसी का उदाहरण हमें कोरोना काल में देखने को मिला कि जब दुनिया के देश अपने यहां कर्फ्यू का पालन कराने के लिए अर्धसैनिक बलों का सहारा ले रहे थे, तब प्रधानमंत्री मोदी जी के दूरदर्शन पर एक आह्वान मात्र से भारत में स्वतः स्फूर्त जनता कर्फ्यू लगा एवं घंटे, घड़ियाल, बर्तन एवं शंखनाद आदि के माध्यम से एकजुटता तथा मोदी जी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित मेड इन इंडिया वैक्सीन के प्रति जब हमारे देश के विरोधी दलों के नेता भ्रम फैला रहे थे, तब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वयं वैक्सीन लेकर भ्रम को दूर करने का कार्य किया। जिसका परिणाम है कि अब भारत 200 करोड़ से भी अधिक वैक्सीनेशन वाला देश बन गया है और हम निर्भय होकर कोरोना के संकट से बाहर आ गए हैं। समस्या समाधान एवं विकास में जन सहभागिता जनता केवल वोट तक सीमित न रहे, उसकी विकास एवं समस्याओं के समाधान में सक्रिय सहभागिता होने से ही हम आगे बढ़ सकते हैं। इस तथ्य को प्रधानमंत्री मोदी जी ने अच्छी प्रकार समझा। उनके भाषणों में आया प्रसिद्ध वाक्य130 करोड़ भारतवासी जब एक कदम आगे बढ़ाते हैं तब भारत 130 करोड़ कदम आगे बढ़ता है उनकी जनता में गहरी आस्था को प्रकट करता है। स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, नमामि गंगे, कोरोना काल का सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण की प्रेरणा एवं अभियान, तालाबों की सफाई, वैक्सीनेशन में जनसहभागिता, टी.बी. मुक्त भारत के लिए एक रोगी-एक पालक योजना आदि के माध्यम से उन्होंने समाज में कर्तव्य बोध जगाने में सफलता प्राप्त की है। स्वयं भी इन कार्यों की प्रेरणा के लिए वह समुद्र किनारे कूड़ा- करकट उठाते, हाथ में झाड़ू लेकर सफाई करते दिखाई देते हैं। भारतीय वैज्ञानिकों में प्रेरणा का परिणाम यह हुआ कि हम अपनी वैक्सीन बनाने में सफल हुए। दीपावली के दिन सैनिकों के मध्य उपस्थित होकर प्रेरणा देने का परिणाम हुआ कि प्रत्येक सैनिक सीमा पर साहस के साथ खड़ा है। उद्योग जगत के प्रेरित होने का परिणाम हुआ कि हम पीपीई किट एवं वेंटीलेटर बनाने में अग्रणी हो गये। आत्मनिर्भर भारत संकल्प का परिणाम हुआ कि हम दुनिया में अर्थव्यवस्था के मामले में पांचवें पायदान पर आ गए। मेक इन इंडिया एवं मेक फॉर वर्ल्ड पॉलिसी का परिणाम हुआ कि अब हम सुरक्षा क्षेत्र में भी निर्यात करने वाले देश हो गए। अब महिला, उद्योग जगत, किसान, मजदूर, सैनिक, शिक्षक, युवा, गरीब, पिछड़े सभी को लगता है कि मोदी जी ही हमारी आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। इस कारण समाज का प्रत्येक वर्ग देश के विकास में सहायक हो रहा है। लाल किले की प्राचीर से उनका आह्वान कि हमारी पॉलिसी, प्रोसेस एवं प्रोडक्ट उत्तम से उत्तम हों, सभी वर्गों के लिए प्रेरक शब्द हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की जन अनुभूति- प्रसिद्ध जननेता संपूर्ण क्रांति के महानायक जयप्रकाश नारायण ने कहा था कि जब तक जनता में समुचित नैतिकता एवं आध्यात्मिक गुण विकसित नहीं होते तब तक सर्वोत्तम संविधान व राजनीतिक प्रणालियां भी लोकतंत्र को सफल नहीं बना सकतीं। उपरोक्त का विचार यदि हम करते हैं तो दिखाई देता है कि मोदी जी ने अपने व्यवहार के द्वारा समाज में इन गुणों के विकास का प्रयास किया। संविधान एवं संसद की सीढ़ियों को मस्तक झुका कर प्रणाम, योग विद्या का संवर्धन, आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थानों पर अपनी श्रद्धा व्यक्त करने के लिए उपस्थिति, समाज में नैतिकता एवं आध्यात्मिकता विकसित करती है। बंधुत्व भाव जागरण के लिए हम एक देश के वासी 130 करोड़ भारतीयों का आह्वान, उच्च स्वर में सर्वत्र भारत मां की जय का उद्घोष, सामाज में देशभक्ति एवं बंधुत्व भाव जागृत करता है। नई शिक्षा नीति भी नैतिक गुणों के विकास का माध्यम बनेगी। लाल किले से उनका आह्वान कि गुलामी की मानसिकता के सभी प्रतीकों को समाप्त करना है, समाज में एक नए स्वाभिमान को जागृत करेगा। प्रधानमंत्री आवास 7 रेस कोर्स रोड अब लोक कल्याण मार्ग हो गया है। राजपथ, कर्तव्य पथ के नाम से विभूषित हुआ है। इन सभी का परिणाम है कि भारतीय जनमानस संकुचित भावों से ऊपर उठकर स्वाभिमान के साथ खड़ा हो रहा है।

भविष्य के लिए जन संकल्प- जब जनता के सम्मुख कोई लक्ष्य रहता है, तब सामान्य जनता में भी असामान्य कृतत्व प्रकट होता है। समाज के सभी वर्गों एवं भगौलिक क्षेत्रों से स्वतंत्रता के आंदोलन में सक्रियता इसी का उदाहरण है। दुनिया के देश भी इसी संकल्प शक्ति से आगे बढे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव में तिरंगा यात्रा में यह संकल्प पुनः प्रकट हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आर्थिक क्षेत्र में हमारी अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन करने का लक्ष्य रखा है। देश इस संकल्प को लेकर आगे बढ़ता दिख रहा है। जब हम देश की स्वतंत्रता के 100 वर्षों का महोत्सव मना रहे होंगे तब हमारा देश कैसा होगा, यह स्वप्न देश की जनता देख रही है। 25 वर्षों के अमृतकाल का उपयोग अपने देश को गौरवशाली देश बनाने के लिए हो, यह संकल्प जनता में जागृत होना चाहिए। गरीबी से मुक्त, आर्थिक रूप से संपन्न, शिक्षा में अग्रणी, सुरक्षित, समरस, सांस्कृतिक क्षेत्र में विश्व को सही पथ का दर्शन कराने वाला भारत हम बनाएंगे, यही संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता में यह संकल्प जगाने के लिए प्रयासरत हैं, परिश्रम की पराकाष्ठा भी कर रहे हैं। हमारा एवं उनका संकल्प एक बने इसकी आवश्यकता है। परमात्मा उनको सुदीर्घ आयु प्रदान करें, जन्मदिवस पर यही प्रार्थना है। लेखक- भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री है।

आज का कार्टून।

भाषा पर विवाद

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर भाषा पर विवाद खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को इंडिया को हिंदिया बनाने की कोशिशें बंद कर देनी चाहिए। बता दें कि बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी को स्थानीय भाषाओं का प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि दोस्त बताया था। शाह ने कहा था, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं कि हिंदी और गुजराती, हिंदी और तमिल, हिंदी और मराठी प्रतिद्वंद्वी हैं। हिंदी कभी किसी भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं हो सकती है। हिंदी देश की सभी भाषाओं की दोस्त है। स्टालिन ने शाह के बयान पर कहा, केंद्र को संविधान के आठवें शेड्यूल में दर्ज सभी 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा घोषित कर देना चाहिए। हिंदी न तो राष्ट्रीय भाषा है और न ही इकलौती आधिकारिक भाषा। हमें हिंदी दिवस की जगह भारतीय भाषा दिवस मनाना चाहिए। हिंदी की तुलना में दूसरी भाषाओं के विकास में बहुत कम संसाधन खर्च किए जाते हैं। केंद्र को इस फर्क को कम करना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत केंद्र सिर्फ हिंदी और संस्कृत को ही बढ़ावा दे रहा है। तमिलनाडु लंबे समय से दक्षिण राज्यों पर हिंदी थोपे जाने का विरोध करता रहा है। जब केंद्र ने देशभर के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पेश करने का फैसला लिया था, तब तमिलनाडु और केंद्र के बीच टकराव बढ़ गया था। साठ के दशक में राज्य में हिंदी विरोधी प्रदर्शन किए गए थे और तत्कालीन केंद्र सरकार ने राज्य को भरोसा दिलाया था कि केंद्र और दक्षिणी राज्यों के बीच आधिकारिक भाषा के तौर पर अंग्रेजी मान्य रहेगी। इस लिहाज से दक्षिण भारतीय राज्यों में हिंदी का विरोध कोई नया नहीं है। 1937 में जब राजगोपालाचारी चक्रवर्ती की सरकार ने मद्रास प्रांत में हिंदी को लाने का समर्थन किया था परन्तु द्रविड़ कषगम (डीके) ने इसका विरोध किया था। तब विरोध ने हिंसक रूप ले लिया था और इसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 1965 में दूसरी बार जब हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की कोशिश की गई तो एक बार फिर विरोध भड़क उठा था। हिंसक झड़पों में 70 लोगों की जानें चली गई। दक्षिण के सभी राज्य भी इस-के विरोध में थे। विरोध-प्रदर्शनों के परिणाम स्वरूप उस वक्त के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री को आश्वासन देना पड़ा था। तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंदिरा गांधी ने राजभाषा अधिनियम में संशोधन के जरिए अंग्रेजी को सहायक राजभाषा का दर्जा देकर अमल में लाया गया। तब से दक्षिण भारतीय राज्यों ने अंग्रेजी पर बहुत जोर दिया। उन्होंने इसका सामाजिक विकास और आर्थिक समृद्धि की सीढ़ी की तरक्की के तौर पर इस्तेमाल किया। हाल ही में हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार और मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता आपस में भिड़ गए थे। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने केंद्र सरकार को हिन्दी थोपने को लेकर चेतावनी देते हुए कहा था कि राज्य के लोग भाषा के मसले पर पार्टी के दिवंगत नेता एम. करुणानिधि के आंदोलन को भूले नहीं हैं और वे ऐसा नहीं होने देंगे। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुढ़ी ने हिंदी को अनिवार्य भाषा बनाने के विरोध में यह कहकर हंगामा खड़ा कर दिया था कि यहां हिन्दी बोलने वाले पानी-पूरी बेचते हैं जबकि अंग्रेजी वालों को अच्छी नौकरी मिलती है।

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत, चित एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उस-केविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

ब्रह्मांड के निर्माता है भगवान विश्वकर्मा

लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा (ईएमएस)

विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि हिंदू भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। इसलिए भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों से विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है। दुनिया का निर्माता यानि की दुनिया का निर्माण करने वाला। विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड (पृथ्वी और स्वर्ग) के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिव लिंगम की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं। धर्मग्रंथों में विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तुदेव थे। जिन्हें शिल्प शास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तुदेव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तु शिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ माना जाता है। विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तु तंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तु विद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। वज्र का निर्माण भी उन्होने ही किया था। पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्गलोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुरराज रावण की स्वर्ण नगरी लंका, भगवान श्रीकृष्ण की समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है। पौराणिक कथाओं में इन उत्कृष्ट नगरियों के निर्माण के रोचक विवरण मिलते हैं। उड़ीसा का विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर तो विश्वकर्मा के शिल्प कौशल का अप्रतिम उदाहरण माना जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जगन्नाथ मंदिर की अनुपम शिल्प रचना से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हे शिल्पावतार के रूप में सम्मानित किया था। माना जाता है कि विश्वकर्मा ने ही लंका का निर्माण किया था। इसके पीछे कहानी है कि शिव ने माता पार्वती के लिए एक महल का निर्माण करने के लिए भगवान विश्वकर्मा को कहा तो विश्वकर्मा ने सोने का महल बना दिया। इस महल के पूजन के दौरान भगवान शिव ने राजा रावण को आंमत्रित किया। रावण महल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गया और जब भगवान शिव ने उससे दक्षिणा में कुछ देने को कहा तथा उसने महल ही मांग लिया। भगवान शिव ने उसे महल दे दिया और वापस पर्वतों पर चले गए। भगवान विश्वकर्मा ने भव्य और सुरक्षित महलों के साथ देवताओं के उड़ने वाले रथों का निर्माण भी किया था। कहा जाता है कि भगवान विश्वकर्मा ने वज्र का निर्माण किया था। जो भगवान इंद्र का हथियार है। वज्र को ऋषि दधीचि और अज्ञेयस्त्र की हड्डियों से बनाया गया है। भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र उनकी शक्तिशाली रचनाओं में से एक था। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देव शिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। इनकी गणना सर्वाधिक महत्वपूर्ण देवों में होती है। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चन किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होने वाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

इसी प्रकार विश्व कर्मा की एक कहानी और है कि महाभारत में पांडव जहां रहते थे उस स्थान को इंद्रप्रस्थ के नाम से जाना जाता था। इसका निर्माण भी विश्ववकर्मा ने किया था। कौरव वंश के हस्तिनापुर और भगवान कृष्ण के द्वारका का निर्माण भी विश्वणकर्मा ने ही किया था। सतयुग का स्वर्ग लोक, त्रेता युग की लंका, द्वापर की द्वारिका और कलयुग के हस्तिनापुर आदि के रचयिता विश्वकर्मा जी की पूजा अत्यन्त शुभकारी है। सृष्टि के प्रथम सूत्रधार, शिल्पकार और विश्व के पहले तकनीकी ग्रन्थ के रचयिता भगवान विश्वकर्मा ने देवताओं की रक्षा के लिये अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण किया था। विष्णु को चक्र, शिव को त्रिशूल, इंद्र को वज्र, हनुमान को गदा और कुबेर को पुष्पक विमान विश्वकर्मा ने ही प्रदान किये थे।

प्रसंगतः समर्पण की भावना

संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान वाचस्पति मिश्र को विवाह हुए छत्तीस वर्ष गुजर गये थे, किन्तु वे यह भी नहीं जानते थे कि उनकी पत्नी कौन है? एक दिन वे ब्रह्मसूत्र के शंकर भाष्य पर टीका लिख रहे थे, किन्तु एक पंक्ति कुछ ढंग से नहीं लिखी जा रही थी। दीपक भी कुछ धुंधला हो चला, शायद ठीक तरह से दिख भी नहीं रहा था। उनकी पत्नी दीपक की लौ बढ़ा रही थी। इतने में वाचस्पति मिश्र की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने पूछा- ''तुम कौन हो?'' ''मैं आपकी पत्नी हूँ। आज से छत्तीस वर्ष पहले हमारा विवाह हुआ था।'' ''तुम्हारे साथ मेरा विवाह हुआ। शास्त्रों का भाष्य करते-करते मैं तो यह बात भूल ही चुका था। छत्तीस वर्ष तुमने मौन रहकर मेरी सेवा की है। हे देवी! तुम्हारे त्याग व उपकार अनंत हैं। अपनी इच्छा बताओ।'' ''स्वामी, मेरी कोई इच्छा नहीं है। आपने मानव जाति के कल्याण के लिए अनेक शास्त्रों की टीकाएँ लिखी हैं। मैं आपकी सेवा से कृतकृत्य हूँ।'' ''हे देवी! तुम्हारा नाम क्या है?'' ''इस दासी को भामती कहते हैं स्वामी।'' ''मैं शंकर भाष्य पर जो टीका लिख रहा हूँ, उसका नाम मैं भामती टीका रगा।'' और वे फिर लिखने में व्यस्त हो गये। दोनों में कैसी समर्पण की भावना थी! पति अपने मानव-मात्र के कल्याण के लिए समर्पित था, तो उनके कर्त्तव्य से अभिभूत हो भामती युवा-सुख भूलकर पति की सेवा में लगी रही। यहां कोई कह सकता है कि जिस युग में भामती हुई थी, वह आज से अलग था? आज तो महिलायें पुरुषों के साथ कदम-से-कदम मिलाकर चल रही हैं।

DELHI CRIME 17 sep 2022:Layout 1 9/16/2022 8:56 PM Page 3

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पर बुद्धिजीवी सम्मेलन

गुरुग्राम, (हि.स.)। भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के रूप में 20 वर्ष के सफलतम कार्यकाल व प्रशासनिक दक्षता पर प्रकाशित पुस्तक मोदी 20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पर गुरुग्राम विश्वविद्यालय में शुक्रवार को बुद्धिजीवी सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ तथा मुख्य वक्ता के रूप में इंटरनेशनल सोलर अलायन्स के महानिदेशक डॉ. अजय माथुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। यहां अपने संबोधन में ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक एवं प्रशासनिक जीवन पर लिखी गई यह पुस्तक युवाओं में देश सर्वप्रथम का भाव जागृत करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपरीत परिस्थितियों में भी देश को आगे ले जाने वाले ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने स्वयं से पहले सदैव देश को आगे रखा है। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं में देश सर्वप्रथम का भाव जागृत करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 20 वर्ष के कार्यकाल वाली पुस्तक मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी सहायक सिद्ध हो सकती है। ओम प्रकाश धनखड़ ने बताया कि किताब में नरेंद्र मोदी के सीएम से पीएम तक के 20 साल की जीवन यात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसकी प्रस्तावना स्वर कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर ने लिखी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को यह पुस्तक जरूरत पढ़नी चाहिए, ताकि देश प्रथम की भावना उनके मन में उत्पन्न हो और वें हर काम को देश हित से जोड़कर करें। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अजय माथुर ने कहा कि मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक में देश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लेख संकलित हैं जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ काम करने का अवसर मिला है ।यह पुस्तक अच्छे नैतिक ,आर्थिक और राजनीतिक विचारों से सुसज्जित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार जी ने कहा कि अगर आपको जानना है कि मोदी मैजिक क्या है और यह कैसे काम कर रहा है, तो आपको निश्चित रूप से मोदी@20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पढ़नी चाहिए।

प्राकृतिक खेती को अपनाकर जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा : जेपी दलाल

कुरुक्षेत्र, (हि.स.)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा है कि हरियाणा और गुजरात ने मिलकर प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए जो आदान-प्रदान किया है, उसे अभियान के रूप में अपनाकर प्रदेशभर में जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देश के किसान के लिए जीवनदायिनी बन रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि इससे उत्पन्न होने वाला अनाज, फल, सब्जी आदि सभी उत्पाद लोगों के लिए बहुत ही लाभकारी है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार ने प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए जो निर्णय लिया है, वह काबिले तारीफ है और हरियाणा सरकार इसको लेकर बेहद गंभीर है। गुजरात के राज्यपाल ने प्राकृतिक खेती का बीड़ा उठाकर किसानों की आमदनी बढ़ाने का जो लक्ष्य दिया है, हरियाणा सरकार उसे हर संभव तरीके से पूरा करेगी।

रेल उपभोक्ताओ की मांगे पूरा करने के लिए रेल प्रबंधन निरंतर प्रयासरत : डालमिया

भिवानी, (हि.स.)। रेल प्रबंधन रेल उपभोक्ताओ की विभिन्न मांगो को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, उन मांगो को शीघ्रतापूर्वक पुरा कर दिया जाएगा। यह बात दैनिक रेल यात्री एवं जनकल्याण संघ के प्रधान एवं रेल उपभोक्ता सलाहाकार समिति के सदस्य महाबीर डालमिया ने बीकानेर में आयोजित रेल उपभोक्ता सलाहाकार समिति की बैठक से लौटने के पश्चात शुक्रवार को कही। उन्होंने बताया कि मंडल के वरिष्ट अधिकारियों एवं रेल उपभोक्ता सलाहाकार समिति के बीच विभिन्न मांगो पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में गाड़ी नंबर 09007-8 जोकि बांद्रा से भिवानी तक चल रह रही है, इस पूरी गाडी में तत्काल का किराया वसूला जा रहा है इसको तुरंत प्रभाव से बन्द किया जाये अन्य गाडियों जैसा ही किराया लिया जाए, बीकानेर से हरिद्वार तक सप्ताह में तीन बार चलने वाली गाड़ी को रोजना चलाया जाएं, गाड़ी नंबर 13483-84 एवं 13413-14 यह गाड़ी विगत में भी भिवानी में संचालित थी। अतः इस गाडी को पुनः भिवानी या हिसार तक चलाया जाए, गाड़ी नं. 54634 यह गाड़ी लुधियाना से चलकर भिवानी तक आती है। इस गाड़ी का विस्तार रेवाड़ी तक किया जाए एवं गाड़ी नं0 54631 निवानी से बनकर धूरी तक जाती है इस गाड़ी को भी लुधियाना तक किया जाए, गाड़ी नं. 19415-16 यह गाडी अहमदाबाद से चलकर कटरा तक जाती है। इस गाड़ी को सप्ताह में दो दिन चलाया जाए, त्रिपूरा सुदंरी एक्सप्रेस जो कि फिरोजपुर से अगरतला तक सप्ताह में एक दिन चलती है इसे सप्ताह मे दो दिन चलाया जाए, भिवानी से रेवाड़ी, नारनौल, रिंगरा (खाटू श्याम) होते हुए जयपुर तक चलाई जाए एवं भिवानी से चंडीगढ जाने वाली गाड़ी 14795-96 से कनेक्ट कि जाए, गाड़ी नं. 14825-26 जयपुर से हिसार के मध्य चलने वाली गाडी का सिरसा तक विस्तार किया जाए एवं इसका बवानी खेडा में ठहराव किया जाए, गाड़ी नं. 04977 जो कि रोहतक से चलने का समय 17:30 बजे है इस गाड़ी का चलाने का समय 18 बजे किया जाए ताकि दिल्ली से आने यात्रियों को यह गाड़ी उपलब्ध हो सके, बीकानेर से चलकर हरिद्वार (वाया भिवानी) जाने वाली गाड़ी को देहरादून तर्क विस्तार किया जाए। महाप्रबंधक द्वारा जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों एवं समस्याओं पर शीघ्र अमल करने का आश्वासन दिया गया।

प्राकृतिक खेती पर गुजरात के राज्यपाल, सीएम व हरियाणा के सीएम के बीच हुआ मंथन

कुरुक्षेत्र, (हि.स.)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को कुरुक्षेत्र के गुरुकुल में प्राकृतिक खेती के मॉडल पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्राकृतिक खेती के मॉडल को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा शोध करने और इसके विस्तार को लेकर बातचीत की। इस दौरान हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल और गुजरात के कृषि मंत्री राघव पटेल मौजूद रहे। बता दें कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल विशेष तौर पर प्राकृतिक खेती के मॉडल को जानने के लिए गुरुकुल कुरुक्षेत्र पहुंचे। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उनका गुरुकुल में पहुंचने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद गुजरात के राज्यपाल, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों, हरियाणा के बिजली मंत्री, कृषि मंत्री, हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों और गुजरात के अधिकारियों के साथ प्राकृतिक खेती पर गहन मंथन किया। इसके बाद गुरुकुल के प्राकृतिक कृषि फॉर्म का दौरा कर वहां उगाई जा रही प्राकृतिक फसलों का बारीकी से अवलोकन किया। प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की जरूरत है। देश और विदेश में इस खेती की तरफ किसानों और उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ रहा है। यह खेती न केवल किसानों के लिए लाभदायक है बल्कि इससे पैदा होने वाले कृषि उत्पाद उपभोक्ता के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। क्योंकि कहा भी गया है कि आहार शुद्धौ सत्वशुद्धिः अर्थात शुद्ध आहार से अंतःकरण की शुद्धि होती है। हरियाणा सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार की तरफ से गाय खरीदने पर 25 हजार रुपये की राशि बतौर सब्सिडी दी जा रही है।

गुरुकुल में प्राकृतिक खेती का मॉडल देखने पहुंचे गुजरात के मुख्यमंत्री

कुरुक्षेत्र, (हि.स.) । गुजरात के राज्यपाल आचार्य डा. देवव्रत शुक्रवार को यहां गुरुकुल में प्राकृतिक खेती का माडल देखने के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज खेती में रासायनिक खाद व कीटनाशक का प्रयोग ज्यादा हो रहा है। इससे जमीन की उपजाऊ शक्ति कम हो रही है। आज हमें प्राकृतिक खेती अपनाने की जरूरत है। इससे किसान की लागत भी शून्य हो जाएगी और पानी का संरक्षण होता है। देसी गाय पर आधारित प्राकृतिक खेती से गाय का भी संरक्षण होता है। इससे पर्यावरण संरक्षण होता है और इस से बना भोजन शुद्ध होता है। किसान की आय बढ़ती है। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि भारत का किसान समृद्ध हो और खुशहाल हो, इसलिए हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जरूरत है।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने किया बुस्टर का निरीक्षण

दिए पानी पहुंचाने के कार्य को जल्द से जल्द खत्म करने के निर्देश

फरीदाबाद, (हि.स.)। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शुक्रवार को एफएमडीए और नगर निगम के अधिकारियों के साथ सेक्टर-22 स्थित मछली मार्केट में बने बूस्टर का निरीक्षण किया। मछली मार्किट बूस्टर तक मीठा पानी पहुंचाने के लिए चल रहे विकास कार्य की समीक्षा की। पानी के बूस्टर के आसपास पड़ी गंदगी और काम में हुई देरी को लेकर परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को बूस्टर को साफ करने और काम को जल्दी खतम करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि एक हफ्ते के अंदर बूस्टर में रेनीवाल का मीठा पानी पहुंच जाएगा और तक़रीबन दस दिन के अंदर इलाके के हर घर में मीठा पानी पहुंचेगा। अभी फिलहाल सेक्टर 22 -23, संजय कॉलोनी, ईस्ट इंडिया कॉलोनी में पिछले कई वर्षों से पानी की किल्लत के चलते तीन से चार दिन में पानी पहुंचता है लेकिन अब पानी की समस्या का समाधान जल्दी हो जाएगा। प्रदेश की जनता की भलाई के लिए होने वाले विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के साथ प्रदेश में बिना भेदभाव के कार्य कर रही है। इस मौके पर एफएमडीए के अधिकारी और नगर निगम के अधिकारीगण मौजूद रहे।

बावन बीघा के समीप हत्या मामले में तोता खान और रितेश को कठोर आजीवन कारावास

सुहैल अहमद मामले में 5 साल बाद आया मामले में फैसला - 8 सितंबर को न्यायालय ने दोनों को पाया था दोषी। बक्सरः 9 सितंबर 2017 को नगर के गोलंबर के समीप स्थित के बावन बीघा के समीप एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में अभियुक्त तोता खान तथा रितेश यादव को दोषी करार देते हुए सश्रम आजीवन कारावास, 10-10 हजार रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया गया है. सजा में आर्म्स एक्ट के तहत 7 साल की सजा भी शामिल है. इस संदर्भ में अपर लोक अभियोजक रामकृष्ण चौबे ने बताया कि अभियुक्त रितेश यादव एवं तोता खान को अपर न्यायाधीश हबीबुल्लाह के द्वारा भारतीय दंड विधान की धारा 302 तथा 27 आर्म्स एक्ट में दोषी करार दिया गया था. इन दोनों पर आरोप है कि 9 सितंबर 2017 को गोपाल जी दूबे नामक व्यक्ति को फोन करके बुलाया और बावन बीघा के समीप गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई. उसी वक्त से रितेश यादव हिरासत में है जबकि, तोता खान जमानत पर छूट कर आया था. सजा सुनाए जाने के बाद उसे फिर जेल भेज दिया गया है. सुनवाई में अभियोजन पक्ष की तरफ से अपर लोक अभियोजक रामकृष्ण चौबे जबकि बचाव पक्ष की तरफ से कृपा शंकर राय,अनिल ठाकुर तथा धर्मेंद्र कुमार राय ने बहस में हिस्सा लिया.

आम आदमी पार्टी के प्रति जनता में बढ़ रहा रूझान : शकुंतला बैनीवाल

-आप नेत्री ने आदमपुर के गांवों में चलाया डोर टू डोर अभियान

हिसार, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री शक्ति चौधरी उर्फ शकुंतला बैनीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी की नीतियों के प्रति जनता में रूझान बढ़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की जनता अब जान गई है कि आम आदमी पार्टी की सरकार ही जनहितैषी शासन दे सकती है और दिल्ली व पंजाब में पार्टी ने ऐसा करके भी दिखाया है। शक्ति चौधरी उर्फ शकुंतला बैनीवाल शुक्रवार को आदमपुर हलके के गांवों में डोर टू डोर अभियान चलाकर ग्रामीणों को पार्टी की नीतियों की जानकारी दे रही थी। उन्होंने किशनगढ़ गांव व ढाणियों में ग्रामीणों, खासकर महिलाओं से मुलाकात करते हुए उन्हें दिल्ली के अरविंद केजरीवाल सरकार की नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को बताया कि केवल आम आदमी पार्टी ही जनहितैषी शासन दे सकती है। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में जरूरतमंदों को बिजली व पानी निशुल्क मुहैया करवा रखा है वहीं शिक्षा व्यवस्था में ऐसा सुधार किया है, जिसकी विदेशों में भी चर्चा हो रही है। उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए पंजाब की भगवंत मान सरकार भी जनहितैषी कार्यों में लगी है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का एजेंडा ही शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का विस्तार करना, जरूरतमंदों को बिजली व पानी निशुल्क मुहैया करवाना व विकास कार्यों को गति देना है। दूसरी तरफ हरियाणा की भाजपा सरकार है जहां विकास कार्य ठप पड़े है और स्कूलों को बंद किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे आम आदमी पार्टी से जुड़ें और पार्टी को मजबूती प्रदान करें। इस दौरान उनके साथ सुमन, दया, रीतू नूनिया व सुमन सहित अन्य भी शामिल थी।

भाजपा नेत्री कीर्ति सिंह ने सुनी समस्याएं, की कपास की चुगाई

हिसार, (हि.स.)। भाजपा महिला मोर्चा हिसार जिला प्रभारी कीर्ति सिंह ने महिलाओं से आह्वान किया है कि वे केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए लागू की जा रही नीतियों का लाभ उठाकर आर्थिक तौर पर सशक्त बनें। उन्होंने कहा कि केन्द्र व हरियाणा सरकार ने ऐसी अनेक नीतियां बनाई है। भाजपा महिला मोर्चा जिला प्रभारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कीर्ति सिंह शुक्रवार को सातरोड मंडल में महिला मोर्चा जिला महामंत्री सीमा शर्मा के आवास पर महिलाओं से बातचीत कर रही थी। उन्होंने सातरोड व माइयड़ गांव में महिलाओं की समस्याएं सुनीं और उनका निदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने माइयड़ गांव में महिलाओं के साथ बैठकर कपास की चुगाई की और उनकी कुशलक्षेम पूछी। कीर्ति सिंह ने महिलाओं को आर्थिक तौर पर सशक्त होने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि अगर महिला सशक्त होगी तो वह अपने परिवार का पालन पोषण अच्छे से कर सकेगी और समाज में जरूरतमंदों की भी सेवा कर सकती हैं। महिलाओं को हर कार्य में निपुण होना चाहिए। जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इस अवसर पर जिला प्रभारी कीर्ति सिंह ने मंडल अध्यक्ष नरेश ग्रेवाल एवं मनोनीत पार्षद राजपाल मांडू से उनके साथ मिलकर सातरोड मंडल की समस्याओं का जल्द ही निवारण करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह, मुकेश, सरोज, संतोष, सुषमा, भावना, खुशी, सुमन, सविता, परवीन, सुष्मिता आदि शामिल रहे।

लिंगानुपात में सुधार के लिए कड़ाई से चलाया जाए अभियानः उत्तम सिंह

हिसार, (हि.स.)। उपायुक्त उत्तम सिंह ने लिंगानुपात में सुधार के लिए जिले में कड़ाई के साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित निगरानी की जाए तथा खराब प्रदर्शन वाले खंडों में विशेष अभियान चलाया जाए। उपायुक्त उत्तम सिंह शुक्रवार को पीसीपीएनडीटी एक्ट-1994 की समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य व संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। बैठक में बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान के स्टेट कोर्डिनेटर डॉ. जीएल सिंघल ने भी अधिकारियों से कहा कि वे जिले के लिंगानुपात में सुधार के लिए पूरी गंभीरता और आपसी तालमेल के साथ कार्य करें। सीएमओ डॉ. गोबिंद गुप्ता, एसएमओ डॉ. प्रभुदयाल, एएसएमओ डॉ. कामिद मोंगा जिले में चलाए जा रहे अभियान के बारे में जानकारी दी। बैठक में सभी खंडों व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उपायुक्त को अवगत करवाया गया कि इस वर्ष अगस्त-2022 तक जिले का लिंगानुपात 904 है। जिले के मिर्चपुर में लिंगानुपात 1055, सीसवाल में 1050, सिसाय में 982, खांडाखेड़ी में 949, बरवाला में 940, मंगाली में 931 तथा सोरखी में 924 बना हुआ है। आर्यनगर का लिंगानुपात 906 और उकलाना का लिंगानुपात 863 है, जो जिले में सबसे खराब है। उपायुक्त ने खराब प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में सघ्र निगरानी के साथ व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए।

भाजपा के सेवा कार्यों से लाभांवित होगी जनता : मनीष ग्रोवर

-जिला प्रभारी ने बरवाला विधानसभा में प्रवास के दौरान ली बैठकें

हिसार, (हि.स.)। भाजपा जिला प्रभारी एवं पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने कार्यकताओं से आह्वान किया है वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि इस दौरान चलने वाले सेवा कार्यों से आम जनता को फायदा मिलना चाहिए। मनीष ग्रोवर शुक्रवार को बरवाला विधानसभा में प्रवास के दौरान सातरोड मंडल में शक्ति केन्द्र प्रमुखों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शक्ति केन्द्र प्रमुखों नरेश ग्रेवाल, मा. सुदर्शन सैनी एवं सूबेदार गिरधारी लाल चाहर व अन्य कार्यकताओं के साथ बैठक लेकर उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि 17 सितम्बर से आगामी दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े के तहत चलने वाले सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की रूपरेखा तय कर रहे थे। पार्टी ने सेवा कार्यों के तहत मेडिकल चैक अप कैंप, पौधारोपण सहित अनेक ऐसे कार्यों को चुना है, जिनसे आम जनता, खासकर जरूरतमंदों को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवा ही संगठन के तहत कार्य करते हुए आम जनता के लिए हर समय तत्पर रहती है। जिला प्रभारी मनीष ग्रोवर ने बरवाला विधानसभा के सातरोड मंडल, मिलगेट मंडल व बरवाला मंडल के शक्ति केन्द्र प्रमुखों की बैठक ली। प्रभारी ने सभी मंडलों में कार्यकताओं से केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का आम जनता तक अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर उपरोक्त के अलावा पूर्व विधायक वेद नारंग, जिला मंत्री संजीव रेवड़ी, देवेन्द्र शर्मा देव, कृष्ण खटाना, मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा, महिला मोर्चा महामंत्री सीमा शर्मा व मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह, नीलम सिंह, गीता, सुनीता, सुनील सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

DELHI CRIME 17 sep 2022:Layout 1 9/16/2022 8:56 PM Page 4

महारानी एलिजाबेथ के ताबूत को ले जाने वाले विमान ने बनाया नया रिकॉर्ड

लंदन, (हि.स.)। महारानी एलिजाबेथ (द्वितीय) के निधन के बाद उनके ताबूत को लेकर जा रहे विमान ने अब तक के सबसे ज्यादा ट्रैक होने का नया रिकॉर्ड बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 47 लाख से ज्यादा (4.79 मिलियन) लोगों ने फ्लाइटराडर 24 की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर दिवंगत महारानी की विमान यात्रा को ट्रैक किया। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर 2,96,000 लोगों ने विमान को ट्रैक किया। बता दें कि पिछले हफ्ते यूएस हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान की विवादास्पद यात्रा को लोगों ने सबसे ज्यादा ट्रैक किया था। सीएनएन ने वेबसाइट के हवाले से कहा कि उनके विमान की ताइपे की यात्रा को लगभग 29 लाख (2.9 मिलियन) लोगों ने ट्रैक किया था। रॉयल एयर फोर्स के विमान में दिवंगत महारानी ने एक घंटा 12 मिनट का समय बिताया। महारानी के ताबूत को लंदन में हीथ्रो हवाई अड्डे से लगभग छह मील की दूरी पर एक सैन्य स्टेशन आरएएफ नॉर्थोल्ट पर उतरा गया। नॉर्थोल्ट से रानी के ताबूत को बकिंघम पैलेस,लंदन ले जाया गया। जानकारी के मुताबिक लगभग 50 लाख लोगों ने ऑनलाइन ट्रैक किया है क्योंकि दिवंगत रानी को मंगलवार को एडिनबर्ग से लंदन ले जाया गया। फिलहाल महारानी के ताबूत को चार दिन के लिए वेस्टमिन्स्टर ऐबे में रखा गया है। 19 सितंबर को उनका अंतिम संस्कार होगा।

व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संतुलित प्रतिक्रिया को सराहा

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की संतुलित प्रतिक्रिया की प्रशंसा की। हालांकि, उन्होंने यह स्वीकार किया कि इस आक्रमण पर चीन के अपने सवाल और चिंताएं थीं। दरअसल यूक्रेन पर आक्रमण के कुछ दिन पहले पुतिन ने फरवरी में शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान शी जिनपिंग के साथ नो लिमिट पार्टनरशिप का ऐलान किया था। ऐसे में यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन की चिंताएं रूस के लिए परेशानी बन सकती है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रन पर आक्रमण के बाद पहली बार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से आमने-सामने मुलाकात की। वर्तमान में यूक्रेन में रूसी सेना ने सामूहिक रूप से पीछे हटना शुरू कर दिया है। पिछले एक हफ्ते के दौरान रूसी सेना ने लगभग उतना ही क्षेत्र खो दिया है, जितना उसने पांच महीने में कब्जा किया था। रूसी सैनिकों क पीछे हटने से यूक्रेनी सेना के हौसले बुलंद हैं। ऐसे में उन्होंने कई मोर्चों पर एक साथ युद्ध शुरू कर दिया है। पुतिन ने एससीओ शिखर सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि हम यूक्रेन संकट के संबंध में अपने चीनी मित्रों की संतुलित स्थिति की बहुत सराहना करते हैं। हम इस संबंध में आपके सवालों और चिंताओं को समझते हैं।

आज की बैठक के दौरान, निश्चित रूप से, हम इस मुद्दे पर अपनी स्थिति के बारे में विस्तार से बताएंगे, हालांकि हमने इस बारे में पहले भी बात की है। पुतिन ने चीन और रूस के बीच गहरे आर्थिक संबंधों पर जोर दिया। रूस और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार पिछले साल 140 अरब डॉलर से अधिक था। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुझे विश्वास है कि साल के अंत तक हम नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच जाएंगे और निकट भविष्य में, जैसा कि सहमति हुई, हम अपने वार्षिक व्यापार कारोबार को 200 अरब डॉलर या उससे अधिक तक बढ़ाएंगे। इसके जवाब में शी जिनपिंग ने कहा कि चीन एक-दूसरे के मूल हितों से संबंधित मुद्दों पर मजबूत पारस्परिक समर्थन बढ़ाने के लिए रूस के साथ काम करेगा और परिवर्तन और अव्यवस्था की दुनिया में स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा को इंजेक्ट करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। शी ने एक-चीन सिद्धांत का पालन करने के लिए रूस की सराहना की और जोर देकर कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है।

पश्चिम के साथ बढ़ते संघर्ष और एक मजबूत व्यक्तिगत बंधन से प्रेरित, हाल के वर्षों में दो सत्तावादी नेता घनिष्ठ साझेदार के रूप में उभरे हैं। यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका समेत पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंधों की बौछार की हुई है। ऐसे में चीन ने अपने पड़ोसी देश को सबसे ज्यादा आर्थिक सहायता देकर प्रतिबंधों से उबारने की कोशिश की है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र में हर बार रूस की आलोचना करने से इनकार किया है। इस कारण प्रतिबंधों के बीच रूस और चीन के द्विपक्षीय व्यापार में कई गुना की वृद्धि हुई है। पहले ऐसी भी आशंका जताई जा रही था की चीन अपने पड़ोसी देश रूस को हथियार देने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, अमेरिका का मानना है कि अभी तक ऐसा नहीं हुआ है।

बाइडन के हस्ताक्षर के बाद अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों में चीन को निवेश करने में होगी मुश्किल

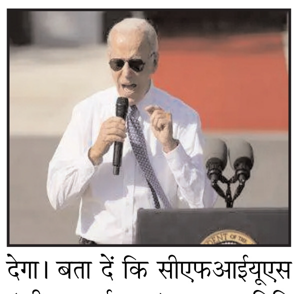

वाशिंगटन, (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर एक कार्यकारी आदेश पर राष्ट्रपति जो बाइडन के गुरुवार को हस्ताक्षर करने के बाद चीन को अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों में निवेश करने में मुश्किल होगी। बाइडन प्रशासन के मुताबिक इस कार्यकारी आदेश का लक्ष्य राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है। दरअसल, अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में चीनी निवेश पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका द्वारा यह कदम उठाया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, व्हाइट हाउस की ओर से जानकारी दी गई कि यह कदम किसी खास देश के खिलाफ नहीं उठाया जा रहा है। यह आदेश अमेरिका में विदेशी निवेश पर निगरानी रखने वाली समिति द्वारा निरीक्षण को बढ़ावा देगा। बता दें कि सीएफआईयूएस (सीएफआईयूएस) नामक समिति अमेरिका में विदेशी निवेश और कंपनियों के मर्जर से जुड़े मामलों की निगरानी करती है। सीएफआईयूएस नामक समिति में राज्य, रक्षा, न्याय, वाणिज्य, ऊर्जा और गृहभूमि सुरक्षा विभागों के सदस्य मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के पास किसी सौदे को निलंबित या प्रतिबंधित करने की शक्ति होती है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वक्त से अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र और कई क्षेत्रों में चीन ने अपना कब्जा जमाना शुरू कर दिया है। इस बात को लेकर अमेरिका काफी चिंतित है। साल 2018 के कानून ने सैन्य ठिकानों या अन्य संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा सुविधाओं के पास कुछ संयुक्त उद्यमों, अल्पसंख्यक दांव और अचल संपत्ति सौदों की समीक्षा करने के लिए सीएफआईयूएस की निगरानी का विस्तार किया। एक रिपोर्ट के अनुसार चीनी कंपनियां अमेरिकी कानून में खामियों का फायदा उठा रही थीं और अनुचित तरीके से तकनीक और संभवतः संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर रही थीं। अमेरिकी सांसदों ने भी चिंता व्यक्त की है कि चीनी कंपनियां संवेदनशील प्रौद्योगिकी तक पहुंच हासिल करने के लिए विदेशी कंपनियों के साथ काम कर रही थीं।

पॉपस्टार जस्टिन बीबर का भारत में म्यूजिकल शो रद्द हुआ, प्रशंसक हुए दुखी

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। मशहूर पाश्चात्य पॉप सिंगर जस्टिन बीबर के दीवानों के की आशाओं पर पानी फिर गया है। चिली, अर्जेंटीना, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और इजराइल में इस पॉपस्टार के कार्यक्रम कैंसिल होने के साथ ही अब भारत में भी इनका म्यूजिकल शो रद्द कर दिया गया है। यह लगातार दूसरी बार हुआ है जब जस्टिन बीबर का वर्ल्ड टूर कैंसिल हुआ है। इसके पीछे उनके खराब स्वास्थ्य को कारण बताया जा रहा है। टूर आयोजकों ने बुक माय शो पर भारत के संगीत कार्यक्रम को रद्द करने पर एक बयान जारी किया है। बुक माय शो के प्रवक्ता के अनुसार टूर आयोजकों के बयान में कहा गया है, 'हमें यह बताते हुए बेहद निराशा हो रही है कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 18 अक्टूबर, 2022 को होने वाला 'जस्टिन बीबर जस्टिस वर्ल्ड टूर - इंडिया' को रद्द कर दिया गया है। यह उनकी खराब सेहत को देखते हुए किया गया है। हमें खेद है कि जस्टिन, अगले महीने वर्ल्ड टूर पर नहीं जा पाएंगे। भारत के अपने दौरे के साथ ही पॉपस्टार ने चिली, अर्जेंटीना, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल के अपने शोज को भी कैंसिल कर दिया है।' बयान में आगे कहा गया कि, 'हम इस बात से बहुत निराश हैं कि हम इस साल जस्टिन बीबर का भारत में शो नहीं करा पा रहे। जिसका कारण उनकी हेल्थ प्रॉब्लम्स हैं। हम उनके अच्छे होने की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह जल्द से जल्द ठीक होकर अपने लाखों चाहने वालों के लिए भारत जरूर जाएंगे।' उन्होंने आगे कहा- 'यह सह हमारे हाथ में नहीं है, हम उन सभी लोगों से क्षमा प्रार्थी हैं और बुक माय शो से गुजारिश करते हैं कि एडवांस बुकिंग के पैसे भी फैंस को वापस कर दिए जाएं। आप सभी के पैसे 10 दिनों के अंदर ही सोर्स अकाउंट में शो होने लग जाएंगे।' बता दें कि जून में जस्टिन रामसे हंट सिंड्रोम नाम की बीमारी से पीड़ित हो गए थे, जिसके बाद उनके चेहरे का आधा हिस्सा लकवाग्रस्त (पैरालाइज) हो गया था।

अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा महारानी एलिजाबेथ के ताबूत के पास खड़ा रॉयल गार्ड

लंदन (ईएमएस)। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताबूत को बुधवार को चार दिनों के लिए वेस्टमिंस्टर हॉल में रखा गया है। उनकी अंत्येष्टि 19 सितंबर को की जाएगी। इस बीच इस हॉल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि महारानी के ताबूत के पास खड़ा एक गार्ड बेहोश होकर गिर पड़ा। ज्ञात हो कि महारानी का पिछले गुरूवार को 96 साल की उम्र में बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया था। वह 70 साल से ब्रिटेन में शासन कर रही थीं। 12 सेकंड का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि एक प्लैटफॉर्म पर महारानी का ताबूत रखा है। चारों तरफ गार्ड्स खड़े हैं। इस दौरान महारानी के पार्थिव शरीर के पास खड़ा गार्ड बेहोश होकर गिर पड़ा। काली यूनीफॉर्म पहने यह गार्ड मुंह के बल जमीन पर गिरा। वीडियो में देखा जा सकता है कि दो लोग उसकी मदद करने के लिए दौड़ते हैं। इस दौरान कुछ देर के लिए इसका लाइव प्रसारण भी रोक दिया गया। महारानी का ताबूत जब लंदन के लिए एडिनबरा हवाई अड्डे से भेजा गया, तब वहां पर राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। महारानी के ताबूत के साथ उनकी बेटी प्रिसेंस एनी भी थीं जो रॉयल एयरफोर्स (आरएएफ)के विमान से एडिनबरा से लंदन साथ आई हैं। महारानी के ताबूत को जिस विमान से लाया गया है, उसका इस्तेमाल पूर्व में मानवीय सहायता में किया जाता रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताबूत को स्कॉटलैंड के एडिनबरा से लंदन ले जाने वाले ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स ट्रांसपोर्ट विमान पर करीब 60 लाख लोग नजर रखने की कोशिश कर रहे थे, जिससे यह इतिहास में सबसे अधिक ट्रैक की जाने वाली उड़ान बन गई है। महारानी का ताबूत मंगलवार शाम को आरएएफ ग्लोबमास्टर सी-17 विमान से एडिनबरा के सेंट गाइल्स चर्च से यहां लाया गया था।

ग्वाटेमाला में भगदड़, नौ लोगों की मौत

ग्वाटेमाला सिटी, (हि.स.) ग्वाटेमाला में गुरुवार को मची भगदड़ में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। साथ ही देश के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित समारोह में भी 20 लोगों के घायल होने की सूचना है। यह भगदड़ एक कॉन्सर्ट के दौरान हुई है। कॉन्सर्ट का आयोजन मैदान में किया गया। कॉन्सर्ट में रॉक बैंड बोहेमिया का जलवा देखने के लिए भारी भीड़ थी। समापन के बाद मैदान से बाहर आने के लिए भीड़ अनियंत्रित हो गई। इस दौरान मची भगदड़ में गिरकर नौ लोगों ने दम तोड़ दिया। बारिश की वजह से मैदान में कीचड़ भी था।

दुनिया की रहस्यमयी जगहों में से एक है ईस्टर आइलैंड

सैंटियागो (ईएमएस)। दुनिया की कई रहस्यमयी जगहों में से एक ईस्टर आइलैंड है। दक्षिण अमेरिका के पश्चिम में लगभग 3700 किमी दूर ईस्टर आइलैंड है। औसतन 13 फीट लंबे और 14 टन वजनी पत्थरों को काटकर कर इन्हें द्वीप के चारों ओर लगाया गया है। इस आइलैंड पर ज्वालामुखी पत्थरों को तराश कर बनाई गई अखंड मूर्तियां हैं। इन्हें मोई कहा जाता है। इनकी संख्या लगभग 900 के बराबर है। दुनिया की कई रहस्यमयी जगहों में से एक ईस्टर आइलैंड भी है। ऐसा इसलिए क्यों इन मूर्तियों को लेकर कई तरह के अनुमान लगाए जाते रहे हैं। इन मूर्तियों को कैसे बनाया गया और इन्हें क्यों बनाया गया ये आज भी रहस्य है। एक रिसर्च के मुताबिक माना जाता है कि ईस्टर आईलैंड के प्राचीन लोगों ने कुलीन शासक वर्ग के इशारे पर 1000 मोई को तराशने का काम किया। ऐसा इसलिए क्योंकि उनका मानना था कि ये मूर्तियां फसल पैदा करने में सक्षम हैं। इनकी सबसे खास बात ये है कि देखने में सब एक जैसी लगती हैं। ज्यादातर मूर्तियां चेहरा हैं, लेकिन बिना आंखों के है। देखने पर ऐसा लगता है जैसे उन्हें किसी ढांचे में ढाला गया है। ये मूर्तियां कहां से आईं, इसे लेकर भी कई सवाल हमेशा से हैं। कुछ लोग मानते हैं कि इसे एलियन यहां छोड़ कर चले गए। हालांकि ये सब सिर्फ एक मिथक है। लेकिन सबसे पहले ईस्टर आईलैंड के बारे में 1722 में पता चला जब यूरोपीयाई एक्सप्लोरर जैकब रॉकडेविन अपनी नाव से यहां पहुंचे थे। जिस दिन वह यहां पहुंचे तब ईस्टर संडे था, जिसके कारण इसका नाम ईस्टर आइलैंड रख दिया गया। यहां उन्हें कुछ ही लोग मिले थे और सिर्फ मूर्तियां दिखीं, जिसके कारण एलियन वाली बात ज्यादा चर्चा में रहीं। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर होती रहती है कि आखिर इन मूर्तियों को इनकी जगह कैसे लाया गया। दरअसल इन मूर्तियों को बनाने में इस्तेमाल किया गया पत्थर एक विलुप्त ज्वालामुखी का था।

आज का इतिहास 17 सितम्बर

1665 लंदन में भयंकर प्लेग फैला.

1731 तुर्की में महमूद प्रथम गद्दी पर बैठे.

1876 उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म.

1879 द्रविड आंदोलन के प्रमुख नेता ई. वी. रामास्वामी का जन्म.

1948 पुलिस कार्यवाही के बाद हैदराबाद भारत का हिस्सा बन गया.

1949 द्रमुक की स्थापना हुई .

1956 तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना हुई.

1963 मलेशिया ने इंडोनेशिया से राजनयिक संबंध तोड़ लिए.

1967 तुर्की में फुटबॉल मैच के दौरान भड़की हिंसा में 42 दर्शकों की मौत हो गई तथा 61 दर्शक घायल हो गए.

1981 निकारागुवा के निर्वासित नेता एनस्तेसियो समोजा की हत्या को उनकी कार में बम विस्फोट से गई.

1982 भारत और श्रीलंका के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट खेला गया.

1994 दक्षिणी मिस्त्र में इस्लामी उग्रवादियों ने पुलिस कर्मियों और यूनीसेफ के एक कर्मचारी की हत्या कर दी.

रूसी सेना का अमानवीय कृत, यूक्रेन में फिर मिली 440 से अधिक शवों की सामूहिक कब्रे

कीव (ईएमएस)। रूस के यूक्रेन पर हमले को 6 महीने से भी अधिक समय के बाद भी घमासान जारी है और युद्ध के बीच जहां से रूसी सेना को भगाया है, वहां उनका अमानवीय कृत सामने आया है। यहां 440 से अधिक शवों की नई कब्र मिली है। यूक्रेन के पूर्वी शहर इजियम के बाहर एक जंगल में सामूहिक कब्र में इन शवों को दफन किया गया था। खार्किव इलाके के चीफ पुलिस इंवेस्टिगेटर सर्गेइ बोल्विनोव ने कहा कि हर एक शव की फोरेंसिक जांच की जाएगी। शुरूआती जांच में पता चला है कि इनमें से कुछ गोलाबारी और हवाई हमलों से मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि यह अब तक मिले सबसे बड़े दफन स्थलों में से एक है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गुरुवार रात टेलीविजन पर दिए संबोधन में कहा, 'खारकीव क्षेत्र के इजियम में एक सामूहिक कब्र मिली है। आवश्यक प्रक्रियाएं पहले ही शुरू हो गई हैं। इसे लेकर स्पष्ट सूचना कल मिल जानी चाहिए।' जेलेंस्की ने यूक्रेन के कुछ अन्य शहरों के नामों का भी जिक्र किया, जिनके बारे में अधिकारियों का कहना है कि वहां से पीछे हटी रूसी सेना सामूहिक कब्रें छोड़कर जा रही है और वहां युद्ध अपराधों के सबूत मिले हैं। राष्ट्रपति ने कहा, 'बुचा, मारियुपोल और अब दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इजियम...रूसी सेना हर जगह मौत के निशान छोड़कर जा रही है और उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराना होगा। दुनिया को इस युद्ध की असल जिम्मेदारी रूस पर डालनी होगी।' मालूम हो कि रूसी सेना यूक्रेन की आक्रामक प्रतिक्रिया के बीच पिछले सप्ताह इजियम सहित खारकीव क्षेत्र के कई हिस्सों से पीछे हट गई थी।

चेचक टीकाकरण के बाद भी व्यक्ति हुआ मंकीपॉक्स का शिकार

वॉशिंगटन (ईएमएस)। चेचक के टीके को मंकीपॉक्स संक्रमण में कारगर पाने के बाद भी अमेरिका में एक मरीज में इसके लक्षण मिलने का केस सामने आया है, जिसे 8 साल पहले एसीएएम 2000 चेचक का टीका लगाया गया था। इस टीकाकरण के होने के बावजूद उस शख्स को मंकीपॉक्स की बीमारी हो गई। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने इसकी जानकारी दी है। सीडीसी ने कहा कि वॉशिंगटन में एक ऐसा मरीज पाया गया है, जिसे 8 साल पहले चेचक का टीका लगाया गया था। इससे चेचक के खिलाफ सफलतापूर्वक प्रतिरक्षा होने के बावजूद मंकीपॉक्स हो गया। इससे मंकीपॉक्स वैक्सीन की चल रही कमी के बीच एसीएएम 2000 वैक्सीन की प्रभावशीलता के बारे में एक बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है। एक खबर के मुताबिक ये रोगी पहले एक स्वस्थ 34 वर्षीय व्यक्ति था, जो पुरुषों के साथ यौन संबंध रखता था। जब इस शख्स को लगातार थकान और सिरदर्द रहने के साथ त्वचा पर घाव बनने लगे तो ये एक यौन संचारित संक्रमण क्लिनिक में आया था। इस शख्स को 2017 में गोनोरिया संक्रमण और सिफलिस हुआ था जो इलाज के बाद ठीक हो गया था। उसके मिलिट्री हेल्थ रिकॉर्ड में एचआईवी संक्रमण या अन्य किसी रोग का की जानकारी नहीं थी। 1980 में चेचक की बीमारी के उन्मूलन के बाद से मंकीपॉक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य में चिंता का एक बड़ा कारण है।

यूक्रेन के इजियम में एक क्षतिग्रस्त पुल के पास खड़ा एक सैन्य वाहन। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 17 sep 2022:Layout 1 9/16/2022 8:56 PM Page 5

किसान दुग्ध उत्पादक कंपनियों से खरीद पांच साल में तीन गुना बढ़कर 18,000 करोड़ पहुंचेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुग्ध क्रांति के मामले देश के किसानों के मालिकान हक वाली दुग्ध उत्पादक कंपनियों की दूध की खरीद तीन गुना से अधिक होने का अनुमान है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अनुसार अगले पांच साल में मूल्य के लिहाज से यह खरीद बढ़कर 18,000 करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगी। एनडीडीबी के चेयरमैन मीनेश शाह ने कहा कि दूध उत्पादक कंपनियों ने पिछले वित्त वर्ष में 5,575 करोड़ रुपये का दूध खरीदा। अगले पांच साल में यह आंकड़ा तीन गुना से अधिक होकर लगभग 18,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि एनडीडीबी अपनी इकाई एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज के माध्यम से देशभर में और अधिक दुग्ध उत्पादक कंपनियों की स्थापना में मदद करेगी। शाह 12-15 सितंबर के दौरान ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित आईडीएफ विश्व डेयरी सम्मेलन-2022 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, स्टार्टअप की अवधारणा भले ही हाल ही में आई हो लेकिन दूध उत्पादक कंपनियां लंबे समय से काम कर रही हैं और ये असली स्टार्टअप हैं। शाह ने कहा कि 7,50,000 किसानों ने लगभग 20 उत्पादक-स्वामित्व वाली इकाइयां बनाई हैं। इनमें 70 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। शाह ने कहा, पहले किसान संगठन की स्थापना के बाद से अबतक यह संख्या बढ़कर 20 हो गई है। कुल मिलाकर किसान सदस्यों को उनके द्वारा अपने संबंधित संगठन को आपूर्ति किए गए दूध के बदले में पिछले वित्त वर्ष (2021-2022) तक लगभग 27,500 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। उन्होंने इनमें से कुछ दूध उत्पादक कंपनियों द्वारा मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों की पेशकश किए जाने की सराहना की। इन 20 में से 18 किसान-स्वामित्व वाले संगठन चालू हो गए हैं और पिछले वित्त वर्ष के अंत तक उन्होंने प्रतिदिन 40 लाख लीटर से अधिक दूध की खरीद की है। दुग्ध उत्पादक कंपनियों द्वारा दूध की खरीद अगले पांच वर्षों में प्रतिदिन 100 लाख लीटर तक पहुंचने की उम्मीद है।

केंद्रीय मंत्री पुरी बोले- महाराष्ट्र में ठप पड़ी रिफाइनरी परियोजना नए सिरे से शुरू करने पर चल रहा विचार

मुंबई (ईएमएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र में ठप पड़ी वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना को शुरू करने पर विचार चल रहा है। यहां उद्योग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य या निवेशकों की ओर से उन्हें इस बारे में अभी कोई ठोस प्रस्ताव नहीं मिला है। पुरी ने बाद में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी को ऐसे संकेत भेजे हैं और उन पर अब तक मिली प्रतिक्रिया अच्छी है। छह करोड़ टन सालाना क्षमता वाली परियोजना महाराष्ट्र में कहीं भी लगाई जा सकती है, इसे पश्चिमी तट के किसी राज्य में, किसी दक्षिणी राज्य में भी लगाया जा सकता है। जरूरी नहीं की इसे रत्नागिरी में ही लगाया जाए। उन्होंने आगे कहा, हम इसे विभाजित कर दो या अधिक स्थानों पर स्थापित करने के बारे में भी सोच रहे हैं लेकिन तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना यदि एक ही स्थान पर रहे जहां मूल रूप से इसे बनना था तो यह सबसे अच्छा होगा। दरअसल स्थानीय लोगों के विरोध के बाद परियोजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई थी। इस परियोजना को तीन राष्ट्रीय तेल कंपनियों- इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने संयुक्त रूप से शुरू किया था। दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरब की अमारको और संयुक्त अरब अमीरात की एडनॉक परियोजना में हिस्सेदारी हासिल लेने को इच्छुक थी।

बाजार में गिरावट के बाद भी अडानी ने कमाए 32 हजार करोड़

- जेफ बेजोस को कभी भी छोड़ सकते हैं पीछे

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट रही लेकिन इस गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप की कंपनियों में भारी तेजी देखने को मिली। इसकी बदौलत ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 4.02 अरब डॉलर (32,000 करोड़ रुपए) की उछाल आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 149 अरब डॉलर पहुंच गई है। अब वह दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस और ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस के काफी करीब पहुंच गए हैं। बेजोस की नेटवर्थ 150 अरब डॉलर है। दोनों की नेटवर्थ में अब केवल एक अरब डॉलर का अंतर रह गया है। यानी अडानी कभी भी बेजोस से आगे निकल सकते हैं। बेजोस की नेटवर्थ में गुरुवार को 2.39 अरब डॉलर की गिरावट आई। इस साल जहां अडानी की नेटवर्थ में 72.4 अरब डॉलर की तेजी आई है, वहीं बेजोस की नेटवर्थ में 42.8 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स में 400 अंक से अधिक गिरावट आई। लेकिन अडानी ग्रुप की सातों लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेजके शेयरों में सबसे अधिक 4.97 फीसदी तेजी आई। अडानी ट्रांसमिशन में 3.27 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 1.14 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.00 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 2.21 फीसदी, अडानी पावर में 3.45 फीसदी और अडानी विल्मर में 3.03 फीसदी तेजी आई। अडानी ग्रुप के कुछ शेयरों में अप्रैल 2020 से 1000 फीसदी तक तेजी आई है। इसकी बदौलत अडानी की संपत्ति तेजी से बढ़ी है। वह दुनिया के अमीरों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंचने वाले एशिया के पहले शख्स हैं।

ओडिशा के समुद्री खाद्य उत्पाद निर्यातकों के साथ व्यवसाय बढ़ाने कोलकाता बंदरगाह ने की बैठक

भुवनेश्वर (ईएमएस)। ओडिशा से समुद्री खाद्य उत्पादों के अवसरों का समुचित लाभ प्राप्त करने के लिए कोलकाता बंदरगाह ने (अब श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह) ने कारोबारी संभावनाओं का पता लगाने के लिए भुवनेश्वर के समुद्री खाद्य निर्यात क्षेत्र के अंशधारकों के साथ बैठक की। कोलकाता बंदरगाह के चेयरमैन विनीत कुमार ने बैठक में निर्यातकों से कहा, हम आपकी समस्याओं को सुनना चाहते हैं ताकि हम उन पर सुधार कर सकें। बंदरगाह इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा है कि कैसे साझेदारी को बढ़ाया जाए और इस क्षेत्र के समुद्री खाद्य निर्यातकों के साथ बहुत अच्छे संबंध विकसित किए जाएं। कुमार ने कहा, हम आपकी उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास करेंगे ताकि मूल्यवान साझेदारी, अच्छी सेवा और कम लागत के माध्यम से हम दोनों

लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया कि बुनियादी ढांचे में बहुत अधिक आधुनिकीकरण और निवेश चल रहा है। उन्होंने कहा कि बंदरगाह छोटे जहाजों के माध्यम से बांग्लादेश और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र से जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

देश में रूस से कच्चे तेल का आयात जुलाई में 18 फीसदी बढ़ा

- भारत ने जुलाई में 2.88 अरब डॉलर रूसी कच्चे तेल का आयात किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में रूस से आने वाले कच्चे तेल के आयात में बढ़ोतरी हुई है। रूसियन क्रूड का आयात देश के कुल पेट्रोलियम कच्चे तेल के आयात का लगभग 18 प्रतिशत हो गया है। आंकड़ों के अनुसार भारत ने जुलाई में 2.88 अरब डॉलर के रूसी पेट्रोलियम कच्चे तेल का आयात किया, जो जून में हुए आयात 2.89 अरब डॉलर से 0.4 प्रतिशत कम है। हालांकि जून से जुलाई में भारत में कच्चे तेल के आयात में एक अरब डॉलर से अधिक की गिरावट के साथ रूसी तेल के आयात की दर 17.9 प्रतिशत हो गई, जो कि जून में 16.8 प्रतिशत थी। फिलहाल अगस्त माह के लिए आयात आंकड़े अभी उपलब्ध नहीं हैं। 14 सितंबर को जारी अगस्त में व्यापार के लिए प्रोविजनल डेटा से पता चलता है कि पेट्रोलियम, कच्चे तेल और उत्पादों का आयात पिछले महीने जुलाई में 16.11 अरब डॉलर से बढ़कर 17.7 अरब डॉलर हो गया। हाल के महीनों में रूसी तेल आयात में वृद्धि उल्लेखनीय रही है और क्रूड पर मॉस्को द्वारा दी जाने वाली छूट का भारत सरकार ने लाभ उठाया। पिछले हफ्ते वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फरवरी में यूक्रेन पर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल आयात का बढ़ाने का निर्णय लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की थी। वित्त मंत्री ने कहा था कि पहले हम रूस से केवल 2 फीसदी कच्चा तेल आयात करते थे, जो कि पिछले कुछ महीनों में बढ़कर 12-13 फीसदी हो गया है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए पीएम मोदी के राजनीतिक कौशल को श्रेय देती हूं कि हमने सभी देशों के साथ अपने अच्छे संबंध बनाए रखे और फिर भी हम रूस से आज तक ईंधन प्राप्त कर रहे हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने क्यों कहा अपनी बेटी से कहना मेरे दिन बना दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के जाने-माने बिजनेसमैन और महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा का एक दिल को छू लेने वाला ट्विटर पोस्ट वायरल हो रहा है। पोस्ट दरअसल, एक परिवार में महिंद्रा एक्सयूवी 700 के आने की खुशी को लेकर है। जिस पर दिग्गज उद्योगपति ने कुछ खास रिप्लाई किया है। थोटा श्रीकांत नामक व्यक्ति के पोस्ट की, श्रीकांत ने महिंद्रा एंड महिंद्रा की महिंद्रा की एक्सयूवी700 खरीदी। इस कार को खरीदने के बाद उन्होंने ट्विटर पर अपनी खुशी जाहिर कर शोरूम पर गाड़ी खरीदते समय की कुछ तस्वीरों को शेयर किया। इन तस्वीरों में जहां श्रीकांत कार के साथ खड़े हैं, तब दूसरी ओर उनकी बेटी कार दरवाजा खोलते हुए दिखाई दे रही है। कार को देखकर उस मासूम बच्ची की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। श्रीकांत ने ट्विटर पर आंनद महिंद्रा को टैग करते हुए इन तस्वीरों को पोस्ट किया। आनंद महिंद्रा ने अपने ट्विटर हैंडल से थोटा श्रीकांत और उनकी बेटी की महिंद्रा की एक्सयूवी700 के साथ की तस्वीरों को शेयर कर ट्वीट के रिप्लाई में बड़ी बात कही। उन्होंने रिप्लाई में लिखा, 'कृपया अपनी बेटी को बताइए कि उसने मेरा दिन बना दिया। इसके साथ ही महिंद्रा चेयरमैन ने एक हंसती हुई इमोजी भी शेयर की है। आनंद महिंद्रा के ट्वीट पर यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक अन्य यूजर्स ने भी महिंद्रा की एक्सयूवी700 को अपने बेटे का ड्रीम बताते हुए खरीदने के समय का वीडियो पोस्ट किया है।

उत्पादों की फेक रिव्यू कराने वाली कंपनियों पर लगेगा जुर्माना!

मुंबई (ईएमएस)। देश की ई-कामर्स कंपनियों को जल्द ही अपने उत्पादों की फेक रिव्यू डालने के कारण जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। सरकार के एक उच्च पदस्थ सूत्र के मुताबिक उपभोक्ता मामलों के विभाग ने इस बारे में एक कमेटी बनाई है जो फेक रिव्यू से जुड़े नियमों को अंतिम रूप देने की तैयारी कर रही है। इन नियमों को वर्ष 2021 में बीआईएस (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैनडर्ड) की ओर से वर्ष 2021 में बनाया गया था। सरकार से जुड़े जानकारों के मुताबिक फर्जी प्रोडक्ट रिव्यू पर रोक लगाने के लिए सरकार गंभीर है। सरकार पैसे देकर पॉजिटिव रिव्यू और फाइव स्टार रेटिंग पर जुर्माना लगाने पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि दूसरी कंपनियों के प्रोडक्ट की निगेटिव रिव्यू कराने पर भी कार्रवाई होगी। अगर ऐसा जान-बूझकर किया जा रहा है तो आरोपित कंपनी पर दस से पंद्रह लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। ऐसे मामलों में सीसीपीए स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई कर सकता है। बता दें कि ऑनलाइन कारोबार में फर्जी रिव्यू लिखाना और लिखवाना एक बड़ी समस्या है। कंपनियां अपनी सुरक्षा के लिए तो कई उपाय कर रही हैं पर ग्राहकों के लिए इससे बचने का कोई तरीका उपलब्ध नहीं है। ऐसे में नए नियम बनने से ग्राहकों के हितों की रक्षा होगी। इन नियमों के अंतर्गत होटल, रेस्तरां, ई-कॉमर्स कंपनियां, रिटेल, टूर और ट्रेवल, सिनेमा बुकिंग और ऑनलाइन एप और इनके अलावा जहां रिव्यू का इस्तेमाल होता है वे सभी कपनियां आएंगी।

सरकार ने छोटी कंपनी की परिभाषा में किया बदलाव

- अब दायरे में आ सकेंगी कई और कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने छोटी कंपनियों की परिभाषा में कुछ बदलाव किया है जिससे अबअब कई और कंपनियां इसके दायरे में आ सकेंगी और उनका अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कारोबार करने में सुगमता को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटी कंपनियों की परिभाषा में फिर से बदलाव किया है। कुछ नियमों में संशोधन करते हुए छोटी कंपनियों के लिए चुकता पूंजी की सीमा को मौजूदा दो करोड़ रुपए से अधिक नहीं से बढ़ाकर चार करोड़ रुपए से अधिक नहीं कर दिया गया; तथा कारोबार को 20 करोड़ रुपए से अधिक नहीं से बदलकर 40 करोड़ रुपए से अधिक नहीं कर दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक छोटी कंपनियों को वित्तीय लेखा-जोखा के अंग के रूप में नकदी प्रवाह का लेखा-जोखा तैयार करने की जरूरत नहीं होती है। उन्हें लेखा परीक्षक के अनिवार्य रोटेशन की जरूरत भी नहीं होती है। विज्ञप्ति के मुताबिक छोटी कंपनी के लेखा-परीक्षक के लिए जरूरी नहीं रहा कि वह आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के औचित्य पर रिपोर्ट तथा अपनी रिपोर्ट में वित्तीय नियंत्रण की संचालन क्षमता प्रस्तुत करे। इसके अलावा इस श्रेणी की कंपनियों के निदेशक मंडल की बैठक वर्ष में केवल दो बार की जा सकती है। छोटी कंपनी श्रेणी की इकाइयों को मिलने वाले अन्य लाभ यह हैं कि कंपनी के वार्षिक रिटर्न पर कंपनी सेक्रटेरी हस्ताक्षर कर सकता है या कंपनी सेक्रेटरी के न होने पर कंपनी का निदेशक हस्ताक्षर कर सकता है। इसके अलावा छोटी कंपनियों के लिए जुमार्ना राशि भी कम होती है। हाल के समय में सरकार ने व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं।

जर्मनी ने रोजनेफ्ट की अनुषंगी का नियंत्रण अपने हाथों में लिया

बर्लिन (ईएमएस)। जर्मनी की सरकार ने कहा कि वह रूस की तेल कंपनी रोजनेफ्ट की यहां स्थित अनुषंगी का नियंत्रण अपने हाथों में ले रही है। सरकार ने कहा कि देश की तीन तेल रिफायनरी में परिचालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि रोजनेफ्ट डॉयचलैंड, एरअएन रिफायनिंग एंड मार्केटिंग का नियंत्रण जर्मनी की संघीय नेटवर्क एजेंसी को सौंपा गया है। इसमें बताया गया कि एजेंसी तीन रिफायनरी पीसीके शवॅिट, माइरो और बायेरनॉइल में कंपनियों के शेयर पर भी नियंत्रण रखेगी। मंत्रालय ने कहा कि जर्मनी की तेल शोधन क्षमता में 12 फीसदी हिस्सेदारी रोजनेफ्ट की है और इस कदम से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उसने कहा कि यह व्यवस्था छह महीने के लिए की गई है।

दैनिक पंचांग

17 सितम्बर 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

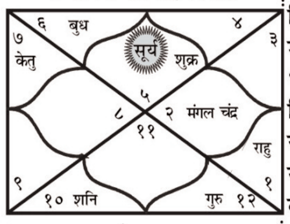

शनिवार 2022 वर्ष का 260 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 14.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 12.21 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 05.49 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 14.15 बजे तदनन्तर बालव 03.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 21' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871374 **जूलियन दिन** 2459839.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** सफर **तारीख** 20 **विशेष** महालक्ष्मी व्रत, विश्वकर्मा जयंती, रोहिणी व्रत, कन्या संक्रांति।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.51 बजे से
चंद्र	वृष में	तुला	08.02 बजे से
मंगल	वृष में	वृश्चिक	10.16 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.32 बजे से
गुरु	मीन में	मकर	14.38 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.24 बजे से
शनि	मकर में	मीन	17.57 बजे से
राहु	मेष में	मेष	19.27 बजे से
केतु	तुला में	वृष	21.07 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	मिथुन	23.06 बजे से
		कर्क	01.19 बजे से
		सिंह	03.35 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

नई एक्सयूवी700 की कई महीनों की चल रही वेटिंग

-अभी बुक करेंगे तो डेढ़ साल बाद मिलेगी ये एसयूवी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले साल अगस्त में स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने बिल्कुल नई एक्सयूवी700 को लॉन्च किया था। इस एसयूवी को काफी पसंद किया गया है। लॉन्च होते ही दो दिनों के भीतर इसकी बुकिंग 50 हजार से ज्यादा हो गई। इस साल मई में इसकी वेटिंग 2 साल तक पहुंच गई थी। महिंद्रा एक्सयूवी 700 को खरीदने के लिए वर्तमान में 16 महीने तक का इंतजार करना पड़ सकता है।महिंद्रा एक्सयूवी 700 में दो इंजन ऑप्शन में पेश किया गया है। इसमें पहला 2.0-लीटर एमस्टलियन टबोर्चार्ज्ड पेट्रोल मोटर है और दूसरा 2.2-लीटर एमहॉक डीजल इंजन मिलता है। ट्रांसमिशन विकल्पों में ऑप्शनल एडब्ल्यूडी के साथ 6-स्पीड एमटी और 6-स्पीड टॉर्क-कन्वर्टर ऑटोमैटिक यूनिट शामिल है। नई महिंद्रा एक्सयूवी700 की कीमत फिलहाल 13.18 लाख रुपये से 24.58 लाख रुपये एक्स-शोरूम है. यह हयूदै अल्काझार और टाटा सफारी को टक्कर देती है. एक्सयूवी700 का वेटिंग पीरियड हर शहर में अलग-अलग होगा और यह चुने गए पावरट्रेन और वेरिएंट पर भी निर्भर करेगा।

महिंद्रा एक्सयूवी700 हाल के दिनों में 30 लाख रुपये के प्राइस सेगमेंट में सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर एसयूवी में से एक है। इसे दो इंजन विकल्पों के साथ पेश किया गया है। वर्तमान में एक्सयूवी700 टॉप-स्पेक एएक्सएल 7 वेरिएंट के लिए 16 महीने तक की वेटिंग चल रही है। इसका मतलब यह है कि अगर आप अभी एक एक्सयूवी700 एएक्स7 एल बुक करते हैं, तो संभवतः 2024 की शुरूआत में आपको अपनी एसयूवी की डिलीवरी मिल सकेगी। हालांकि, एसयूवी के बेस और मिड-स्पेक वेरिएंट में वेटिंग पीरियड कम है। कोई भी उनके निकटतम महिंद्रा डीलरशिप से सटीक जानकारी प्राप्त कर सकता है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, अश्वनि कृष्ण पक्ष, वर्षा शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि, सप्तमी, शनिवासरे, रोहिणी नक्षत्रें, क्रज योगे, वव करणे, वृष की चंद्रमा, सप्तमी श्राद्ध, महालक्ष्मी अष्टमी क्रत, विश्वकर्मा जयंती, कन्यायाम रवि द्विपुस्कर योग दो.1/45 तक तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल....... .

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, किराना-कपड़ा व्यापारी, लोहा-सीमेंट का धनी व्यापारी होगा।

मेष राशि - विरोधी तत्वों से परेशानी, अधिकारियों से तनाव, इष्ट मित्र कष्टप्रद हेंगे।
वृष राशि - कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक गति में सुधार होगा, व्यवसायिक कार्य योजना बनेगी।
मिथुन राशि - इष्ट मित्रों से लाभ होगा, व्यवसायिक गति में सुधार होगा, कार्य योजना सफल होगी।
कर्क राशि - मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, कार्यकुशलता से संतोष होगा, कार्य व्यवसाय उत्तम चलेगा।
सिंह राशि - चोट का डर है, कार्यगति में सुधार, कार्य बाधा होगी किन्तु अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।
कन्या राशि - व्यवसायिक गति उत्तम रहेगी, धैर्य से कार्य करें, स्थिति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।
तुला राशि - अधिकारी वर्ग सहायक होगा तथा भाग्य का सितारा साथ देगा, रुके कार्य बनने से हर्ष होगा।
वृश्चिक राशि - किसी के धोखे से बचें, विवाद होने की संभावना है, धन हानि, व्यर्थ भ्रमण में समय नष्ट होगा।
धनु राशि - मनोवृत्ति संवेदनशील रहेगी, ऐश्वर्य में समय बीतेगा, कार्य बाधा होगी, धैर्य रखकर कार्य करें।
मकर राशि - स्थिति में सुधार होते हुये भी सफलता फलप्रद नहीं, कार्य विफलत्व से चिन्ताप्रद स्थिति रहेगी।
कुंभ राशि - धन लाभ, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा, कार्य बनेंगे, अधिकारियों का समर्थन मिलेगा।
मीन राशि - समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य अवरोध होगा, सावधानी से कार्य करें।

17 साल के बाद पाकिस्तान पहुंची इंग्लैंड क्रिकेट टीम करेगी बाढ़ पीड़ितों की सहायता

कराची (ईएमएस)। 17 साल के बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने भीषण बाढ़ पर चिन्ता जताते हुए पीड़ियों की सहायता की घोषणा की है। इंग्लैंड टीम के कप्तान जोस बटलर के अनुसार 7 मैचों की इस टी20 सीरीज से उन लोगों का मनोबल बढ़ेगा जो बाढ़ के कारण निराश में जी रहे हैं। देश में आई विनाश्कारी बाढ़ से पीड़ित लोगों को खों लोगों के उत्साह को बढ़ाने में कारगर होगी। इंग्लैंड टीम को अगले सप्ताह से सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की इस सीरीज से अगले माह ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टी20 विश्व कप की तैयारियों में सहायता मिलने की उम्मीद है। बटलर ने कहा की अभी पाक के लोगों का मुश्किल समय चल रहा है। वहीं हम भी एक टीम के रूप में उनकी सहायता करना चाहते हैं। खिलाड़ियों के साथ ही इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भी लोगों की सहायता करेगी। यह जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए हमारा एक छोटा सा प्रयास भर है हालांकि इसके अलावा लोगों को अन्य जगहों से भी सहायता की जरुरत है। उम्मीद है कि हम इस दौरे में रोमांचक क्रिकेट खेल कर लोगों का हौंसला बढ़ाने में सफल रहेंगे।' गौरतलब है कि बटलर सहित इंग्लैंड के ज्यादातर खिलाड़ी पहली बार पाक का दौरा कर रहे हैं। टीम में वापसी करने वाले एलेक्स हेल्स, मोइन अली और लियाम डॉसन ने पाक सुपर लीग में भी हिस्सा लिया था। वहीं बेन स्टोक्स, क्रिस जॉर्डन और लियाम लिविंगस्टोन इस दौरे से हट गए थे पर ये खिलाड़ी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड की टीम 20 से 25 सितंबर तक कराची में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलेगी। बाकी के तीन मैच लाहौर में 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक खेले जायेंगे। इंग्लैंड क्रिकेट आखरी बार साल 2005 में इंग्लैंड दौरे पर आई थी।

एफआईएच महिला टीम कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित होना बड़ा सम्मान : जेनेके शोपमैन

बेंगलुरु, (हि.स.)। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जेनेके शोपमैन एफआईएच महिला टीम कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित होने पर खुद को सम्मानित महसूस कर रही हैं। मुख्य कोच ने कहा कि इस नामांकन से पता चलता है कि इस पक्ष ने पिछले वर्ष में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, "एफआईएच महिला टीम कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित होना एक बड़ा सम्मान है। यह एक मान्यता है कि लड़कियों ने कितनी मेहनत की है और उन्होंने पिछले कुछ महीनों में क्या दिखाया है। इस नामांकन का मतलब है कि लड़कियों ने पूरे साल प्रदर्शन किया है और हम सही रास्ते पर हैं।" शोपमैन ने कहा कि वह अपनी टीम के एफआईएच हॉकी प्रो लीग और एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप व बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देखकर खुश थीं। उन्होंने कहा, "एफआईएच हॉकी प्रो लीग का पहला सीजन टीम के लिए एक बहुत ही मूल्यवान अनुभव था। हमने पांच महीनों की अवधि में लगातार अच्छी टीमों के साथ खेला। हमने उन पहलुओं की पहचान की, जहां हमने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और जिन पहलुओं में हमें सुधार करने की आवश्यकता थी। मैं एफआईएच हॉकी प्रो लीग, विश्व कप और बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेल में लड़कियों के खेलने के तरीके से बहुत खुश थी। राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक मेरे लिए बहुत खास था।" निकट भविष्य में टीम के लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर, मुख्य कोच ने कहा, "हम इस समय टीम का गहन मूल्यांकन कर रहे हैं। खिलाड़ी अपने व्यक्तिगत खेलों को भी देख रहे हैं और उन पहलुओं को देख रहे हैं जिनमें वे बेहतर हो सकते हैं। हमें अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने की जरूरत है ताकि अधिक खतरनाक और एक बेहतरीन टीम बन सकें।"

टी-20 विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे की टीम घोषित, क्रेग एर्विन की वापसी

हरारे, (हि.स.)। जिम्बाब्वे ने आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। क्रेग एर्विन की बतौर कप्तान वापसी हुई, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण क्रिकेट से दूर थे। हाल ही में समाप्त हुए ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहे तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी की भी 15 सदस्यीय टीम में वापसी हुई है। टीम में तेंदई चतारा, वेलिंगटन मसाकाद्जा और मिल्टन शुम्बा की भी वापसी हुई है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में जिम्बाब्वे का अभियान 17 अक्टूबर से शुरू होगा। जिम्बाब्वे की टीम अपने पहले ग्रुप बी मैच में आयरलैंड से भिड़ेगी, जो होबार्ट, तस्मानिया के बेलेरिव ओवल में खेला जाएगा। इसके बाद, जिम्बाब्वे की टीम 19 अक्टूबर को वेस्टइंडीज का सामना करेगी और फिर 21 अक्टूबर को स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच खेलेगी। ग्रुप बी की शीर्ष दो टीमें ग्रुप ए की शीर्ष दो टीमों के साथ सुपर 12 चरण में शामिल होंगी, जिसमें श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड और नामीबिया शामिल हैं। सुपर 12 के दो समूहों में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 के शुरू होने से पहले, जिम्बाब्वे का सामना मेलबर्न में 10 और 13 अक्टूबर को होने वाले अभ्यास मैचों में श्रीलंका और नामीबिया से होगा।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2022 के लिए जिम्बाब्वे की टीम इस प्रकार है: क्रेग एर्विन (कप्तान), रयान बर्ल, रेजिस चकबावा, तेंदई चतारा, इवांस ब्रैडली, ल्यूक जोंगवे, क्लाइव मदांडे, वेस्ली मधेवेरे, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुन्योंगा, ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगारवा, सिंकदर रजा, मिल्टन शुम्बा, सीन विलियम्स।

रिजर्व खिलाड़ी: तनाका चिवंगा, इनोसेंट कैया, केविन कसुजा, तदीवानाशे मारुमनी, विक्टर न्युची।

अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर-2022 में हिस्सा लेंगे वाराणसी के गौरव मौर्या

वाराणसी, (हि.स.)। वाराणसी के गौरव मौर्या दिल्ली में आगामी 19 से 24 सितंबर 2022 तक आयोजित होने वाले सातवें अखिल भारतीय पुलिस जूडो क्लस्टर-2022 में हिस्सा लेंगे। गौरव कराते टीम इवेंट में आईटीबीपी फोर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता सीआईएफएफ के तत्वाधान में दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में देश भर के स्टेट पुलिस के अलावा आईटीबीपी फोर्स, असम राइफल, सीआरपीएफ, सीआएसएफ और एसएसबी के लगभग 500 पुरुष /महिला खिलाड़ी अपने-अपने भार वर्ग मे हिस्सा लेंगे। कराते पहली बार इंडिया पुलिस गेम्स मे आया है जिससे इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी अति उत्साहित हैं, वहीं यह खेल ओलंपिक एशियन गेम्स एवं वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स मे भी है। आईटीबीपी की टीम के साथ गौरव 17 सितंबर को देहरादून से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच नियुक्त हुए मार्क बाउचर

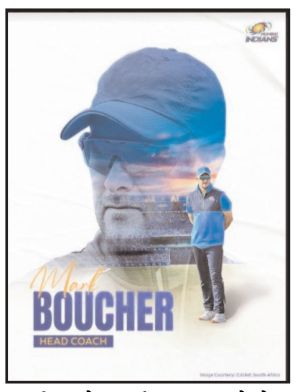

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी और दुनिया भर में अपनी विकेटकीपिंग के लिए प्रसिद्ध मार्क बाउचर को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति आईपीएल 2023 से प्रभावी होगी। मार्क बाउचर का विकेटकीपर, बल्लेबाज के रूप में एक लंबा और शानदार करियर रहा है। एक विकेट-कीपर के तौर पर, टेस्ट में उनके नाम सबसे अधिक आउट करने का रिकॉर्ड है। रिटायरमेंट के बाद वे दक्षिण अफ्रीका में शीर्ष स्तर की एक क्रिकेट फ्रेंचाइजी टाइटन्स के कोच के रूप में काम कर रहे थे। उनके कोच रहते टीम ने पांच घरेलू खिताब जीते। 2019 में दक्षिण अफ्रीका ने मार्क बाउचर को हेड कोच बनाया, जहां उनके नेतृत्व में टीम ने 11 टेस्ट, 12 एकदिवसीय मैचों और 23 ळ20 मैचों में जीत हासिल की। बाउचर की नियुक्ति पर आकाश अंबानी, चेयरमैन, रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने कहा, "मुंबई इंडियंस में मार्क बाउचर का स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैदान पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और एक कोच के रूप में उन्होंने अपनी टीम को कई जीत दिलाई हैं, मार्क एमआई के ब्रांड और विरासत को आगे बढ़ाएंगे। वहीं, बाउचर ने कहा, मुंबई इंडियंस के हेड कोच के रूप में नियुक्त होना एक सम्मान और सौभाग्य की बात है। मुंबई इंडियंस की उपलब्धियों ने इसे दुनिया भर के खेलों में, एक सफल फ्रेंचाइजी की तरह स्थापित कर दिया है। मैं आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार हूं। मुंबई इंडियंस, नेतृत्व और खिलाड़ियों की एक मजबूत यूनिट है और मैं इस यूनिट में अपना योगदान देने को तैयार हूं।"

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच बने ट्रेवर बेलिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को आईपीएल 2023 के लिए ट्रेवर बेलिस को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। बेलिस इयोन मोर्गन की अगुवाई में 2019 विश्व कप का खिताब जीतने वाली इंग्लिश टीम के कोच थे। बेलिस के पास इंग्लैंड के 2019 विश्व कप, 2 आईपीएल खिताब और सिडनी सिक्सर्स के साथ एक बिग बैश लीग (बीबीएल) खिताब जीतने का बड़ा अनुभव है। बेलिस ने एक बयान में कहा, "मैं पंजाब किंग्स के साथ मुख्य कोच की भूमिका पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं आईपीएल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए दृढ़ संकल्पित खिलाड़ियों के एक प्रतिभाशाली दस्ते के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।" बेलिस ने अनिल कुंबले का स्थान लिया है, जिनके अनुबंध को उनके तीन साल के कार्यकाल में प्ले-ऑफ में जगह बनाने में विफल रहने के बाद फ्रैंचाइजी द्वारा नवीनीकृत नहीं किया गया है। आईपीएल इतिहास में पंजाब की टीम ने केवल एक बार 2014 में फाइनल में प्रवेश किया था, जहां उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पंजाब किंग्स आईपीएल के पिछले चार सीजन में छठे स्थान पर रही है। इस साल के टूनामेंट में केएल राहुल से मयंक अग्रवाल ने कप्तानी संभाली थी लेकिन वह बल्ले से उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। मयंक और अर्शदीप सिंह केवल दो ऐसे खिलाड़ी थे जिन्हें पंजाब ने आईपीएल 2022 से पहले रिटेन किया था।

जिमी नीशम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के केंद्रीय अनुबंध को ठुकराया

वेलिंगटन, (हि.स.)। न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी जिमी नीशम ने विदेशी घरेलू लीगों के साथ करार के कारण केंद्रीय अनुबंध को अस्वीकार कर दिया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। हालांकि, एनजेडसी ने पुष्टि की है कि उपलब्ध होने पर नीशम पर अभी भी राष्ट्रीय टीम के चयन के लिए विचार किया जाएगा। नीशम ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि यह एक कठिन निर्णय था, लेकिन अब इस फैसले से पीछे हटना संभव नहीं है। नीशम ने इंस्टाग्राम पर लिखा, "मुझे पता है कि एक केंद्रीय अनुबंध को अस्वीकार करने के मेरे फैसले को देश का प्रतिनिधित्व करने के बजाय पैसे चुनने के रूप में देखा जाएगा। मैंने जुलाई में एक अनुबंध प्रस्ताव स्वीकार करने की योजना बनाई थी, हालांकि सूची से बाहर होने के बाद से मैंने दुनिया भर के अन्य लीगों के साथ करार किया है। यह एक कठिन निर्णय था लेकिन मैंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अनुबंध करने के बजाय उन प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का फैसला किया है।" उन्होंने कहा, "न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरे करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैं निकट भविष्य में अपने देशवासियों के लिए मैदान में उतरने के लिए प्रतिबद्ध हूं, खासकर बड़े वैश्विक स्पधाओं में।" वहीं, ब्लेयर टिकर और फिन एलन ने पहली बार केंद्रीय अनुबंध में जगह पाई है। दोनों को क्रमशः ट्रेंट बोल्ट और कॉलिन डी ग्रैंडहोम के स्थान पर अनुबंध में जगह मिली है। सेंट्रल स्टैग्स के तेज गेंदबाज टिकर ने न्यूजीलैंड के लिए छह वनडे और 11 टी20 खेले हैं, जबकि वेलिंगटन के 23 वर्षीय बल्लेबाज एलन पहले ही टीम के लिए आठ वनडे और 13 टी20 खेल चुके हैं। दोनों आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के हालिया दौरे पर टीम में शामिल हुए। वहीं, एलन वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया श्रृंखला में भी खेलें हैं।

हालेप की नाक की सर्जरी हुई

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रोमानियाई टेनिस खिलाड़ी सिमोना हालेप के नाक की सर्जरी हुई है। इस सर्जरी कारण अब हालेप इस साल के अंत तक खेल से दर रहेगी। हालेप को सांस लेने में हो रही परेशानी को देखते हुए ही उसकी यह सर्जरी करायी गयी है। इस खिलाड़ी ने ट्विटर पर अपने सर्जरी के सफल होने की जानकारी दी है। इस रोमानियाई स्टार ने कहा, ' मैं कुछ समय से नाक की समस्याओं से जूझ रही थी। गर्मियों के दौरान मेरी स्थिति और खराब हो गई थी। इस समस्या ने मेरे लिए सांस लेना कठिन बना दिया। रात में मुझे और भी दिक्कतें आने लगीं। ऐसे में समस्या को हल करने का एकमात्र तरीका सर्जरी ही था।' हालेप ने कहा, 'मेरा 2022 का सत्र समाप्त हो गया है। यह मेरे लिए एक शानदार वर्ष रहा है। अब 2023 में कोर्ट पर मुलाकात होगी। मुझे लगता है अभी भी टेनिस कोर्ट पर मैं बहुत कुछ कर सकती हूं और मेरा वही लक्ष्य हैं। वैसे 30 साल की हालेप ने स्वीकार किया कि वह फरवरी में खेल से संन्यास लेने के बारे में सोच रही थीं। गौरतलब है कि विश्व की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी सिमोना हालेप की इससे पहले भी सर्जरी हुई थी। साल 2009 में हालेप ने ब्रेस्ट रिडक्शन सर्जरी कराई थी।

मोलडोवा में यूरोपा लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

(फोटो-ईएमएस)

फिक्सिंग के संदेह में पाक के दो क्रिकेटर

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट में फिक्सिंग का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के मामले में स्पिनर आसिफ अफरीदी के खेलने पर रोक लगायी है। अब उसके दो और क्रिकेटर भी संदेह के घेरे में हैं। हालांकि ये दोनों खिलाड़ी कौन हैं अभी तक यह नहीं पता चला है। अगर ये दोषी पाये गये तो बोर्ड इनपर भी प्रतिबंध लगायेगा। पीसीबी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के कुछ अधिकारियों को इस मामले की गहन जांच के लिए मुजफराबाद भेजा गया है। अफरीदी बाएं हाथ के स्पिनर हैं। उन्होंने हाल ही में नेशनल टी20 कप में भाग लिया था।

शुरूआत में बेहद गुस्सैल थे फेडरर, रैकेट तक फेंक देते थे

लंदन (ईएमएस)। स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर के 41 साल की उम्र में टेनिस संन्यास के बाद से ही उनके प्रशंसकों में निराशा है। फेडरर के नाम कई रिकॉर्ड हैं जिसमें से एक सबसे अधिक उम्र में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना भी है। फेडरर ने साल 2018 में 36 साल की उम्र में पहले स्थान पर वापसी की थी। टेनिस कोर्ट पर हमेशा सबसे शांत दिखने दिखने वाले फेडरर अपने शुरूआती दिनों में ऐसे नहीं थे। उनका स्वभाव काफी गुस्से वाला था। मैच हारने के बाद वह काफी दुखी रहा करते थे पर हालांकि समय के साथ ही उनका स्वभाव बदला और इसके बाद टेनिस कोर्ट पर अपने रैकेट से उन्होंने दुनिया भर में धूम मचा दी। फेडरर में आये इस बदलाव में माता-पिता के अलावा पत्नी मिर्का और प्रो-टूर पर उनके पहले कोच पीटर कार्टर की भूमिका अहम थी। इसके अलावा एक दुर्घटना में कोच की मौत की भी इसमें सबसे बड़ी भूमिका रही। फेडरर जब किशोरावस्था में बील के राष्ट्रीय टेनिस अकादमी में थे, तो वहां कोर्ट को अलग करने के लिए एक नया पर्दा लगाया गया था। यह इतना मोटा था कि उन्होंने अपना रैकेट फेंक दिया। इससे पर्दा कट गया। इसके बाद फेडरर को सजा के तौर पर टॉयलेट्स और वैक्यूम ऑफिस की सफाई की सजा मिली। फेडरर की मां लिनेट ने एक बार कहा था, जब वह एक मैच हार गया, तो वह बहुत परेशान हो गया था। रैकेट फेंकने के साथ ही रोने लगा। इससे माता-पिता परेशान हारे गये कयोंकि उसकी हार नहीं बल्कि व्यवहार को लेकर वह नाराज थे। फेडरर के पिता रॉबर्ट ने कहा, वह कभी-कभी भयानक था। रैकेट फेंकना, कोर्ट पर शपथ लेना। कभी-कभी हमें थोड़ी शर्म आती थी, लेकिन अचानक वह बहुत अधिक परिपक्व हो गया और अपनी ऊर्जा इस्तेमाल का अच्छी तरह से करने लगा। फेडरर के पिता उनके नखरे से इतने नाराज थे कि उन्होंने अभ्यास के दौरान एक दिन यह कहते हुए कोर्ट छोड़ दिया कि यदि आप इस तरह से व्यवहार करते रहे तो मैं यहां से चला जाऊंगा। फेडरर ने आगे की घटना का जिक्र करते हुए कहा, ह्यउन्होंने मेरे बगल में पांच-स्विश फ्रैंक का सिक्का रखा और कहा, ह्यमैं तुम्हें घर पर देखूंगा। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि उन्होंने मुझे अकेला छोड़ देगा क्योंकि घर बहुत दूर था, जहां जाने के लिए एक घंटा ट्राम और फिर बस से सफर करना होता था. मैंने 20 मिनट तक इंतजार किया, लेकिन वह नहीं आए। जब मैं पार्किंग में गया और देखा कि कार जा चुकी है, तो मुझे एहसास हुआ कि वह वास्तव में घर चले गए थे। इसने मुझे सिखाया कि अगर मुझे कुछ बनना है, मुझे बड़ा बनना होना है, मुझे बेहतर बनना होगा है। फेडरर ने 2003 में विम्बलडन के तौर पर जब अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था तब पुरुषों में सबसे ज्यादा एकल ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड पीट सैम्प्रास का था। उन्होंने 14 ऐसे खिताब जीते थे। फेडरर ने उनके रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए कुल 20 मेजर खिताब जीते। उन्होंने विंबलडन में आठ चैंपियनशिप, ऑस्ट्रेलियन ओपन में छह, अमेरिकी ओपन में पांच और फ्रेंच ओपन में एक चैंपियनशिप जीती। फ्रेंच ओपन में 2009 की जीत के साथ उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम को पूरा किया। फेडरर को उनके शानदार फोरहैंड सर्विस, फुटवर्क और आक्रामक खेल के लिए जाना जाता।

अगले 25 वर्षों में भारत दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति होगा : राजनाथ

– भारत अपने बलबूते पर पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में सक्षम
– 'नए भारत' का सपना साकार करने में हम किसी दूसरे देश पर निर्भर नहीं
– दुनिया के बाजारों में मंदी की आशंका के बीच भारत की महंगाई काबू में

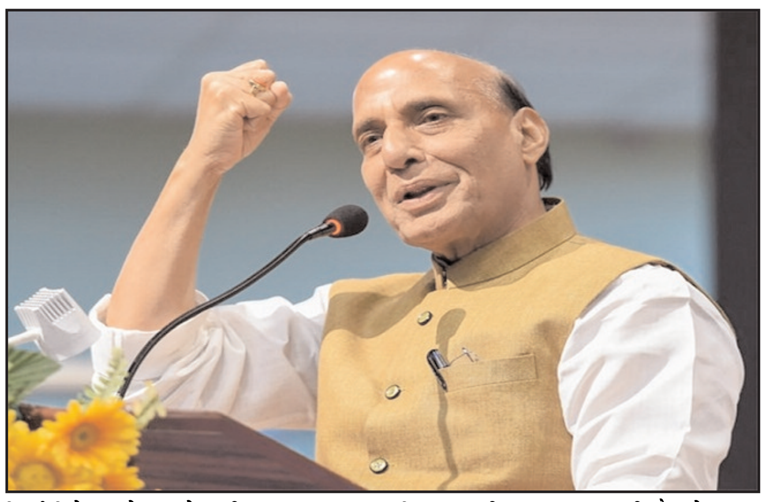

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि अगले 25 वर्षों में भारत दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति होगा। सरकार 'नए भारत' के सपने को साकार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, जिसे पूरा करने के लिए हम किसी देश पर निर्भर नहीं हैं। आज भारत अपने बलबूते पर पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। भविष्य के भारत की नींव 'आत्मनिर्भर भारत' की मजबूती पर निर्भर है। रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे विश्व में यह बात चल पड़ी है कि दुनिया का 'मैन्युफैक्चरिंग हब' किसी एक देश में ही नहीं होना चाहिए। अभी तक ज्यादातर मैन्युफैक्चरिंग चीन में हो रही थी, मगर बदली हुई परिस्थितियों में बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां अपनी मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए नए ठिकाने ढूंढ रही हैं। रक्षा मंत्री ने अतीत की तरफ इशारा करते हुए कहा कि एक समय था जब देश में महज 1900 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात होता था लेकिन आज यह निर्यात तेरह हजार करोड़ से भी पार कर चुका है। अब 2024-25 तक भारत के सिर्फ डिफेन्स सेक्टर में करीब 1.75 लाख करोड़ का कारोबार होने और कुल मिलकर कम से कम पांच बिलियन डॉलर के निर्यात का लक्ष्य तय किया गया है। राजनाथ सिंह ने 02 सितम्बर को प्रधानमंत्री के हाथों देश को सौंपे गए देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक आईएनएस विक्रांत का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर बनाकर भारत चुनिन्दा देशों में शामिल हो गया है। इस जहाज में 76 फीसदी स्वदेशी उपकरण लगाये गए हैं। आज भारत मोबाइल फोन बनाने में दूसरे नम्बर पर है। अब तो एपल जैसी कंपनी भी भारत में फोन बना रही है। दो दिन पहले मैंने मीडिया में खबर देखी थी कि कुछ चिप मेकिंग कंपनियां भारत में चिप बनाना चाहती हैं। अब जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अपने उत्पादन को विकेन्द्रीकृत करने के लिए नए विकल्प की तलाश कर रही है, तो भारत उस तलाश को न केवल पूरा करता है बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की भी क्षमता रखता है।

रक्षा मंत्री ने आर्थिक मोर्चे पर बात करते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को गतिशील और प्रभावी बनाने का ही परिणाम है कि आज जब दुनिया के बड़े-बड़े विकसित देश रिकार्ड महंगाई की समस्या से जूझ रहे हैं, तो भारत की महंगाई दर बेकाबू नहीं होने पाई है। भारत जैसे विकासशील देश में महंगाई पर काबू रखने और आर्थिक सुधार करने का ही परिणाम है कि आज विदेशी निवेशक भारत की तरफ दौड़े-दौड़े चले आ रहे हैं। 2021-22 में 83 बिलियन डॉलर का विदेशी निवेश आया है। अभी केवल अगस्त महीने में 6 बिलियन डॉलर का विदेशी निवेश केवल भारत के स्टाक मार्केट्स में आया है। दुनिया के बाजारों में मंदी की आशंका जोर पकड़ने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था पूरी दुनिया की उम्मीदों का केन्द्र बना हुआ है। आज ब्रिटेन में 18 फीसदी के आस-पास महंगाई है। अमेरिका में यह महंगाई दर 9-10 फीसदी है। इन देशों की जनता ने दशकों से महंगाई के दर्शन नहीं किए थे जबकि भारत में महंगाई की दर अगस्त में 7 फीसदी रही है। पिछले दस वर्षों में दुनिया की टॉप टेन अर्थव्यवस्थाओं में भारत की वापसी हुई है जब वह नौवीं पायदान पर आया है। आज 2022 में भारत की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन को पीछे छोड़कर दुनिया की टॉप फाइव इकोनॉमी में पांचवें पायदान पर है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आप यह कह सकते हैं कि भारत उस समय कमजोर था, गरीब था, इसलिए उसे विकास की राह पर रफ्तार पकड़ने में समय लगा। मगर आपको यह जानकर हैरानी होगी कि 1950 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। यदि आजादी के समय से ही जिन लोगों के हाथ इस देश की सत्ता रही उन्होंने 'नेशन फर्स्ट' की नीति पर काम किया होता तो भारत दशकों पहले ही एक विकसित देश की कतार में खड़ा होता। अब इस देश में एक वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में काम चल रहा है। आज इस तरह का इन्फ्रास्ट्रक्चर संभवतः चीन को छोड़ कर कहीं और नहीं है लेकिन आज वहां भी स्लो डाउन चल रहा है।

आदित्य ठाकरे की जेड सिक्योरिटी में तैनात सुरक्षा कर्मियों को नहीं मिला सरकारी पुलिस वाहन

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे की सुरक्षा में शुक्रवार को भारी ढील नजर आई। राज्य सरकार ने उनकी सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों को तो भेजा लेकिन उन्हें पुलिस का वाहन नहीं दिया। सभी सुरक्षाकर्मी निजी वाहनों में आज रत्नागिरी जिले के दौरे पर आदित्य ठाकरे की सुरक्षा में तैनात किए गए। शिवसेना नेता शुक्रवार को रत्नागिरी जिले के दौरे पर थे और यहां वे एक जनसभा को संबोधित करने वाले थे। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे को जेड स्तर की सुरक्षा दी गई है। इसे देखते हुए आदित्य ठाकरे के दौरे पर भी सुरक्षा प्रदान की जाती है। इसके बावजूद आज जब आदित्य ठाकरे रत्नागिरी पहुंचे तो उनकी सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मी तो पहुंचे लेकिन उन्हें पुलिस वाहन नहीं दिए गए थे। इसे लेकर शिवसेना नेताओं ने कड़ी आपत्ति दर्ज करवाई है। शिवसेना नेता विनायक राऊत ने कहा कि अगर आदित्य ठाकरे के साथ कुछ गड़बड़ होगा तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। आदित्य ठाकरे ने कहा कि उनकी सुरक्षा में जानबूझकर सरकार ढिलाई कर रही है लेकिन उन्हें इससे फर्क नहीं पड़ता है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए शिवसेना कार्यकताओं का कवच है, इसलिए उन्हें पुलिस की सुरक्षा की चिंता नहीं है। रत्नागिरी में जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्य ठाकरे ने राज्य सरकार, खास कर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर राज्य से उद्योगधंधे बाहर किए जाने का आरोप लगाया।

शाह ने लखनऊ में दीवार गिरने की घटना में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति शोक जताया

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दीवार गिरने से मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की है। शाह ने ट्वीट कर कहा, लखनऊ में भारी बारिश के कारण दीवार के गिरने से हुई दुर्घटना बहुत दुःखद है। स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हर संभव मदद कर रहा है। इस दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र ही स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उल्लेखनीय है कि कैंट अंतर्गत दिलकुशा में दीवार गिरने से वहां सो रहे 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन पुरुष, तीन महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर 17 सिंतबर से सेवा पखवाड़ा मनाएगी भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाने का फैसला किया है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह और प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पार्टी 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाएगी। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जो नीतियां हैं, जो योजनाएं हैं वे गरीब कल्याण, शोषित वंचित वर्गों के कल्याण के लिए हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा समाज के अंतिम सीढ़ी तक बैठे हुए व्यक्तियों का उत्थान ही प्रधानमंत्री का मुख्य उद्देश्य है। भाजपा महासचिव ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी में मोदी@20 पुस्तक की प्रतियां वितरित की जाएंगी। सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता कार्यक्रम होंगे। भाजपा कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों का प्रचार प्रसार भी करेंगे। कई स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे। मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने के लिए टीबी रोगियों को गोद लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के दौरान कार्यकर्ता देश भर में 10 लाख बूथों पर पीपल के पौधे लगाएंगे। स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता गांधी भण्डार से कपड़े और सामग्रियों की खरीद करेंगे। साथ ही 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भी मनाई जाएगी।

यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों के मामले में केंद्र को पोर्टल बनाने की सलाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों का दूसरे देशों में दाखिला आसान करने के लिए केंद्र सरकार को पोर्टल बनाने का सुझाव दिया है। इस मामले पर अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी। केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि ये छात्र या तो नीट में कम अंक के चलते वहां गए थे या सस्ती पढ़ाई के लिए। इन छात्रों का भारत में दाखिला कानूनन संभव नहीं है। केंद्र सरकार ने कहा है कि ये छात्र यूक्रेन के कॉलेज से सहमति लेकर दूसरे देशों में डिग्री पूरी करें। पांच सितंबर को सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि विदेश मंत्रालय यह विषय देख रहा है। हो सकता है कि छात्रों के लिए कुछ सकारात्मक कदम उठाया जाए। 26 अगस्त को कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यह सरकार को तय करना है कि क्या भारत के कॉलेजों में इतनी जगह है और क्या नियमों के तहत इन्हें भारत में दाखिला दिया जा सकता है। याचिका पार्थवी आहूजा और प्राप्ति सिंह ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि यूक्रेन में स्थिति सामान्य होने की अभी कोई संभावना नहीं है। हजारों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। यूक्रेन से लौटे छात्रों को प्रवेश नियमों में छूट देकर सरकारी और निजी कॉलेजों में जगह दी जाए। याचिका में कहा गया है कि यूक्रेन से लौटे छात्रों की पढ़ाई पूरी करने के लिए वहां के कॉलेज और यूनिवर्सिटी से समन्वय कर उन्हें भारत में अपनी पढ़ाई पूरी करने का दिशा-निर्देश जारी किया जाए।

उत्तर प्रदेश में बारिश का कहर, अब तक 15 लोगों की मौत

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में भारी बारिश से कई जिलों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। तीन दिन से हो रही बरसात के कहर से राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में अब तक 15 लोगों की जान गई है। कई लोग घायल हैं। राज्यपाल ने हादसे में हुई जनहानि पर अपना दुख प्रकट किया है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को पीड़ितों को हर संभव मदद करने के निर्देश दिए है। सर्वाधिक मौतें लखनऊ में हुई हैं, जबकि उन्नाव में तीन, कानपुर झांसी और रायबरेली में एक-एक लोगों की जान गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज आसपास के अस्पतालों में चल रहा है। लखनऊ के कैंट स्थित दिलकुशा कॉलोनी में गिरी निमार्णाधीन दीवार के मलबे में दबकर तीन बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मूलरूप से झांसी के पप्पू (50), उनकी पत्नी मानकुंवर देवी (45), बेटा प्रदीप (28), बहू रेशमा (25),, पौत्री नैना उर्फ भारती (01), धर्मेन्द्र (28) और उसकी पत्नी चंदा (25) के अलावा दो बच्चे है हैं। इनमें दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मरने वालों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल है। जनपद उन्नाव में विकास खण्ड असोहा के ग्राम कांधा में देर रात को बारिश की वजह से दीवार गिरने के कारण अंकित (20), अंकुश (04) और उन्नति (06) की मृत्यु हो गई है। जिसको लेकर जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे, पुलिस अधीक्षक दिनेश त्रिपाठी मौके पर पहुंचकर मृत बच्चों के पिता ज्ञानचन्द्र रावत एवं माता कान्ती से घटना के संबंध में जानकारी ली। पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से राहत की धनराशि उपलब्ध कराया जाने की कार्रवाई सरकार की ओर से की जा रही है। रायबरेली में तेज बारिश के बीच शुक्रवार सुबह एक मकान की छत अचानक ढह गई। हादसे में महिला मंजू देवी (42 वर्ष), तीन बच्चे रजनी (6 वर्ष), रजत (10 वर्ष) और रजनीश (ढाई वर्ष) घायल हो गए है, जिन्हें इलाज के लिए असपताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने रजनीश को मृत घोषित कर दिया है, जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज चल रहा है। झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के न्यू रायगंज में तेज बारिश से देररात को दो मंजिला मकान बीती देर रात को ढह गया और मलबे में राजाराम रायकवार उनकी पत्नी भगवती और पुत्र सुरेश दब गए। पुलिस टीम एवं फायर ब्रिगेड ने मलबे में फंसे सभी को घंटों की मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर बाहर निकालकर मेडिकल कालेज भेजा गया। जहां उपचार के दौरान बेटे सुरेश ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार व एसएसपी शिवहरी मीना अन्य प्रशासनिक अधिकारियों व पुलिस टीम के साथ पहुंचकर जायजा लिया और घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी
नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक
संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

- राजकुमार कश्यप (दिल्ली) • दीपक कुमार (पटियाला)
- वीरेन्द्र कुमार ठाकुर • वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
- अनीता सिंह • राम नाथ • मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
- मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
- अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
- अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
- श्याम लाल (मेरठ) • रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
- नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
- ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
- ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
- फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
- पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
8375000672

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

फिल्म 'संघर्ष 2' की शूटिंग में बिजी खेसारी

-पहले शेड्यूल की शूटिंग बैंकॉक में की गई थी

मुंबई (ईएमएस)। अपकमिंग फिल्म संघर्ष 2 की शूटिंग में बिजी हैं। इसके दूसरे शेड्यूल की शूटिंग गोरखपुर में की जा रही है। इसके पहले शेड्यूल की शूटिंग बैंकॉक में की गई थी। ऐसे में इसके गोरखपुर वाले सेट पर सांसद और स्टार एक्टर रवि किशन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एक्टर से मुलाकात की साथ ही उनकी जमकर तारीफ की। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों स्टार्स को एक साथ देखा जा सकता है। खेसारी लाल यादव और रवि किशन का वीडियो उनके फैन पेज से शेयर किया गया है। इसमें देखने के लिए मिल रहा है कि गोरखपुर सांसद और एक्टर रवि किशन संघर्ष 2 की पूरी टीम से मिलने पहुंचे। भोजपुरी इंडस्ट्री के मेगा स्टार हैं। रवि बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ इंडियन इंडस्ट्री में भी अपने दमदार अभिनय से सभी को मंत्रमुग्ध कर चुके हैं और अब राजनीति में आकर जनसेवा कर रहे हैं। रवि किशन ने इस मुकालात के बारे में कहा कि मेरे संसदीय क्षेत्र में निमार्ता रत्नाकर कुमार की फिल्म संघर्ष 2' शूट हो रही है, जिसमें इंडस्ट्री के बहुत टैलेंट अभिनेता खेसारी लाल यादव काम कर रहे हैं तो इनसे मिलने के लिए और फिल्म की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं देने के लिए यहां आया हूं। रवि ने आगे कहा कि पराग पाटिल का निर्देशन बहुत ही कमाल का होगा है। वो जब भी कोई फिल्म बनाते हैं, वो सुपर डुपर हिट होती है। इसके साथ एक्टर ने फिल्म की टीम के बारे में पराग पाटिल से जानकारी ली।खेसारी के बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा कि इनको तो आप सभी जानते हैं। इनको बना के ऊपर वाला वो माला ही तोड़ दिया कि अब ऐसा माल दुबारा न बनेगा। ये एक ही पीस है एक ही माल हैं। इस पर खेसारी सिर्फ हंसते रहते हैं। इसके आगे रवि संघर्ष 2 की टीम से पूछते हैं कि अभी फिल्म का क्या शूट चल रहा है इसके बारे में डायरेक्टर पराग पाटिल ने बताया कि फिल्म का ऐक्शन सीन का सिक्यूवेन्स चल रहा है। वहीं, खेसारी ने रवि किशन के साथ अपना बैंकॉक का अनुभव शेयर किया कि कैसे उन्होंने बैंकॉक में समंदर के अंदर गाड़ियां चलाई है। वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स चैनल जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत संघर्ष 2 में सुपरस्टार खेसा-री लाल यादव, साउथ इंडियन एक्ट्रेस मेघाश्री, भोजपुरी सिनेमा जगत की सुपरहॉट और बोल्ड एक्ट्रेस माही श्रीवास्तव, खूबसूरत अदाकारा सबा खान, एक्टर विनीत विशाल, नीलम वशिष्ठ, विनोद मिश्रा और समर्थ चतुर्वेदी सहित कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिका में दिखाई देने वाले हैं। निमार्ता रत्नाकर कुमार की संघर्ष 2 एक मेगा बजट फिल्म बताई जा रही है। ये मूवी संघर्ष की दूसरी किस्त है। पहली में खेसारी के साथ एक्ट्रेस काजल राघवानी के साथ देखा गया था। हालांकि, विवाद होने की वजह से इस बार उन्हें फिल्म में कास्ट नहीं किया गया है।

हिंसा के खिलाफ आवाज उठाएंगी मोना सिंह

-एक्टेस ने कहा -'अपने अधिकारों के लिए खड़े होना जरूरी है'

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस मोना सिंह हालिया रिलीज हुई आमिर खान और करीना कपूर की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में देखी गई थी। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित नहीं हो पाई, लेकिन मोना अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर खूब तारीफें बटोरीं। इस फिल्म में मोना ने लाल सिंह यानी आमिर खान की मां की भूमिका में नजर आई थीं। अब लाल सिंह चड्ढा के बाद मोना एक शॉर्ट फिल्म की जरिए दर्शकों के दिलो दिमाग पर छा जाने को तैयार हैं। उनकी आने वाली शॉर्ट फिल्म का नाम एक चुप है। यह फिल्म घरेलू हिंसा पर आधारित है। आपको बता दें कि इस फिल्म को सोन्या वी कपूर ने डायरेक्ट किया है। एक चुप के जरिए मोना घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने जा रही हैं। फिल्म का निर्माण अमृता मेंडोंजा और सोन्या वी कपूर ने अपने बैनर एम5 एंटरटेनमेंट के तहत किया है। एक चुप को लेकर मोना काफी एक्साइडेट हैं क्योंकि वह एक महिला केंद्रित फिल्म के जरिए एक ऐसी कहानी कहने जा रही हैं, जिसके खिलाफ अभी भी कई महिलाएं चुप हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान मोना ने शॉर्ट फिल्म में काम करने पर अपने अनुभव के बारे में बात कीं और फिल्म के लेकर वह कितनी उत्साहित हैं इसके बारे में भी बताया है। एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म के बारे में पूछे जाने पर मोना ने बताया कि एक चुप लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, एक चुप मुहावरे एक चुप सौ सुख पर आधारित है। आप जानते हैं कि भारतीयों के रूप में ज्यादातर मां अपनी बेटियों को चुप रहने के लिए कहती हैं और सब कुछ ठीक हो जाएगा। हालांकि, महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए खड़े होना जरूरी है और मुझे लगता है कि यह फिल्म और स्क्रिप्ट इस विषय पर बात करने के लिए बिल्कुल सही थी। मोना को टेलीविजन शो जस्सी जैसी कोई नहीं में जस्सी की भूमिका के लिए याद किया जाता है। इसके अलावा उन्होंने कई और टीवी शोज किया है।

शैलेष लोढ़ा ने साधा शो निर्माता असित मोदी पर निशाना

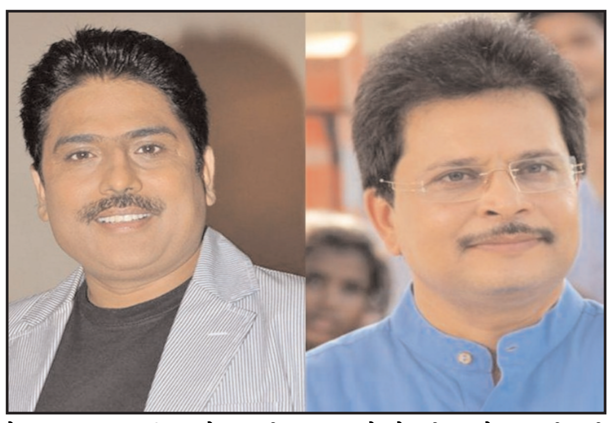

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में नए तारक मेहता यानी सचिन श्रॉफ की एंट्री हो गई है। इसी बीच पुराने मेहता साहब शैलेष लोढ़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बेईमानी और अहंकार पर एक व्यंग्य कविता शेयर की। एक्टर ने व्यंग कविता के पीछे अपनी मंशा नहीं जाहिर की, इसके बावजूद शैलेष के फैंस कयास लगा रहे हैं कि उन्होंने यह कविता शो मेकर असित मोदी पर निशाना साधते हुए लिखी है। शैलेष की यह कविता इस बात का संकेत दे रही है कि उनके और असित मोदी के बीच कुछ ठीक नहीं है। शैलेष ने14 सितंबर को सोशल मीडिया पर अपनी फोटो के साथ एक कैप्शन में एक व्यंग्य कविता शेयर की। एक्टर ने लिखा- 'एक ताजा व्यंग्य कविता, मेरा ही चेहरा सब से बड़ा हो यार तुम कितने असुरक्षित और डरे हो। परिभाषा तक नहीं जानते ईमान की इतनी बार अपना कहा बदलते हो कीमत तो पता ही नहीं जुबान की अगर तुम में आत्मा होती तो पूछता क्या कभी उसे टटोला था वैसे एक सवाल जरूर है आखरी बार तुमने सच कब बोला था?

सामी सामी गाने पर बच्ची ने किया जोरदार डांस

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा' हिट रही। फिल्म के साथ- साथ गानों को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया है। हाल ही में एक छोटी बच्ची का वीडियो सामने आया है, जिसमें बच्ची 'पुष्पा' फिल्म के गाने 'सामी सामी' पर स्कूल ड्रेस में बड़े ही क्यूट अंदाज में डांस करती हुई दिखाई दे रही है। इस वीडियो के सामने आते ही खुद रश्मिका मंदाना ने इस वीडियो को अपने ट्विटर पर शेयर करते हुए बच्ची से मिलने की इच्छा जताई है। फैंस के अलावा रश्मिका को भी ये क्यूट वीडियो काफी पसंद आया है। साल 2021 में रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' में साउथ की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आई थीं।

प्ले पार्क में बेटी वामिका को लेकर पुहंचे अनुष्का और विराट, अनुष्का ने की खूब मस्ती

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चकड़ा एक्सप्रेस की शूटिंग में व्यस्त हैं। अनुष्का पूरे 3 साल बाद कमबैक कर रही हैं। अनुष्का पति विराट कोहली के साथ अपनी बेटी वामिका को लेकर प्ले पार्क पहुंचे लेकिन मामला उल्टा पड़ गया। उन्होंने पार्क में खुद जमकर मस्ती की। तस्वीर को शेयर कर अनुष्का ने लिखा, प्ले पार्क में मेरा दिन बहुत अच्छा रहा। मैं अपनी बेटी को लेकर वहां गई थी। हालांकि फोटो में उनकी बेटी वामिका नजर नहीं आई। अनुष्का के फैंस ने इस फोटो पर मजेदार रिएक्शन दिए। एक यूजर ने फोटो पर मजेदार कमेंट करते हुए लिखा, मेरे स्कूल के मोजे चोरी कर लिए। एक अन्य यूजर ने लिखा, पार्क में अनुष्का ने वामिका से ज्यादा एंजॉय किया। अनुष्का और विराट ने 2017 में शादी की थी। हाल ही में जब विराट कोहली ने अपना 71वां शतक जड़ा, तब अनुष्का शर्मा ने उनकी इस खास उपलब्धि पर इमोशनल नोट लिखा थी।

बॉलीवुड के इन सितारों ने इंजीनियरिंग छोड़ अभिनय को बनाया करियर

हर साल 15 सितंबर का दिन इंजीनियर्स डे मनाया जाता है । भारत सरकार ने इस दिन को देश के महान इंजीनियर और सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित डॉ. एम विश्वेश्वरैया के सम्मान में उनकी जयंती को 'अभियंता दिवस' के रूप में घोषित किया। इस खास दिन पर हम अपने पाठकों को बता रहे हैं बॉलीवुड के उन सितारों के बारे में जो कभी इंजिनयरिंग की राह पर थे, लेकिन उन्हें ये रास नहीं आया और उन्होंने इंजीनियरिंग छोड़ कर अभिनय को अपना करियर चुना।

तापसी पन्नू- शानदार अभिनय और बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर अभिनेत्री तापसी पन्नू अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले स-ॉफ्टवेयर इंजीनियर थीं। तापसी ने दिल्ली के गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग करने के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम भी किया। लेकिन बाद में उनका झुकाव अभिनय की तरफ होने लगा और नौकरी के दौरान ही उन्होंने मॉडलिंग और फिर अभिनय की दुनिया का रुख किया। तापसी आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं।

विक्की कौशल- फिल्म अभिनेता विक्की कौशल भी इंजीरयरिंग की पढ़ाई कर चुके हैं। विक्की के पास इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन में इंजीनियरिंग की डिग्री है। उन्होंने साल 2009 में मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से उन्होंने यह डिग्री हासिल की, लेकिन उनका मन भी इंजिनयरिंग में नहीं लगा और उन्होंने अपने करियर के रूप में अभिनय की दुनिया को चुना ।

कृति सैनन-कृति सैनन के पास भी इंजीनियरिंग की डिग्री है। कृति ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन में बीटेक की डिग्री ली है।

तब्बू के साथ एक बार फिर नजर आएंगे अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों साउथ की कैथी की हिंदी रीमेक भोला में बिजी हैं। मुंबई में वह फिल्म का आखिरी शेड्युल पूरा कर रहें हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अजय देवगन इसे अगले सात से आठ दिनों में फिल्म कंप्लीट कर लेंगे। मुंबई में आगे भोला का एक डांस नंबर शूट किया जाएगा। फिल्म के ज्यादातर हिस्से की शू-टंग हैदराबाद के रामोजी स्टूडियो के भीतर और उस शहर के बाहरी इलाकों में हुई है। वह इसलिए कि अजय देवगन इसमें एक कैदी के रोल में हैं। वह कैदी शहर के खूंखार गुंडों की टोली से जख्मी पुलिस वालों की मदद करता है। वह कैदी लॉरी चलाने में भी माहिर है। ऐसे में लॉरी का पीछा कर रहे सैकड़ों गुंडों का सीक्वेंस जंगल के इलाकों में शूट हुए हैं। बेशक अजय देवगन के भांजे दानिश गांधी उन्हें असिस्ट कर रहें हैं। वो आगे चल बतौर डायरेक्शन अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। अजय देवगन की अगले साल के मिड तक चार फिल्मों की लइनअप है। वो थैंकगॉड, दृश्यम2 और मैदान हैं। इनकी रिलीज के मद्देनजर भोला की ता-रीख तय होगी। बहरहाल, सेट पर मौजूद सूत्रों की मानें तो इस फिल्म के डायरेक्टर अजय देवगन खुद हैं।

ट्विटर पर ट्रेंड हुआ #बॉयकॉट थैंकगॉड

अजय देवगन, रकुलप्रीत और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म थैंक गॉड इन दिनों चर्चा में है। ट्विटर पर फिल्म के बॉयकॉट की मांग उठ रही है और #बॉयकॉट थैंकगॉड ट्रेंड हो रहा है। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था, जिसमें अजय देवगन को भगवान चित्रगुप्त के अवतार में दिखाया गया। कायस्थ समुदाय भगवान चित्रगुप्त की पूजा करता है ऐसे में समुदाय ने 'थैंक गॉड' फिल्म में अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा के खिलाफ भगवान चित्रगुप्त का मजाक उड़ाने और उनके लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही फिल्म पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के भी आरोप लग रहे हैं और सोशल मीडिया यूजर्स फिल्म के बहिष्कार की मांग कर रहे हैं । गौरतलब है कि फिल्म 'थैंक गॉड' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में अभिनेत्री नोरा फतेही भी स्पेशल अपीरियंस में हैं । इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज फिल्म्स और मारुति इंटरनेशनल प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है। फिल्म इसी साल 25 अक्टूबर को रिलीज होगी।

मालदीव में वेकेशन मना रहीं मौनी रॉय

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आज टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी हैं। वो इस वक्त मालदीव में अपनी वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। जिसका एक वीडियो एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में मौनी पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहन कर हाथ में ग्लास लिए जबरदस्त डांस मूव्स करती हुई नजर आईं। फैंस को मौनी का ये अंदाज खूब पसंद आ रहा है। बता दें, हाल ही में मौनी फिल्म ब्रह्मास में नजर आ रही हैं।

सूडोकु नवताल- 6195

★★★ मध्यम

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6194 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्दजाल - 6942

बं	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	ब	ल	क
ब	वा	ब	लि	दा	न	का	मौ	स	ल	ड़
ई	ह	ब	बं	दा	न	वा	ज	जा	य	मा
का	ब	बं	र	दे	वी	ब	वा	ल	श	ब
म	इ	दि	म	सं	व	र	श	र	बू	ल
हा	ता	नी	ई	र	द	क	फ	बा	श	ज
रा	बं	दि	श	द	क	स	सी	ग	प	ब
जा	र	ब	बं	व	ज	र	ब	न	प	बं
क	ब	ल	ज	न	ना	री	ऐ	ज	प	जा
क	मी	ल	प	ब	या	स	मा	ब	प	र
का	न	बं	ध	न	क	ना	री	ग	प	न

शब्द जाल में ब शब्द से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

बनारसी बाबू, बलमा, बलिदान, बंधन, बंदिनी, बंद दरवाजा, बंदानवाज, बंदिश, बंजारन, बंबई का महाराजा.

शब्दजाल - 6941 का हल

प्र	क	प्र	ग	ति	शी	ल	ब	ना	क	ति
ती	क	ती	प्र	ल	क	व	जी	ग	कृ	ह
क्षा	ड़	प्र	प्र	न	ल	प्र	छ	प्र	आ	दि
ख	क	क	का	ज	ज	पु	का	प्र	प	ल
प	प्र	क	शि	दो	ग	ति	अ	प्र	तू	ग
झ	क	का	त	ल	प	ह	झ	पू	ना	ण
घ	को	ती	श	प्र	म	प्र	जा	से	व	क
ला	प्र	क	ता	जा	ई	धा	ब	क	फ	लो
श	जा	प्र	बा	हि	प्र	ई	क	प्र	री	प्र
प	प	द	र	तै	प	क्रि	जी	र्त	ऐ	ता
प	ती	क	क	षी	प्र	है	या	रा	बा	प

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5895

6		1		2	7	4
	30	4	30		30	
5	2				6	3
	32	6	39	7	31	2
1		3		4		
	31		35		33	7
7		2	6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5894 का हल

2	3	1	5	6	7	4
6	26	4	34	2	34	1
1	2	7	4	5	6	3
7	35	6	36	3	28	2
4	5	3	7	1	2	6
5	31	5	35	4	33	7
3	4	2	6	7	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी

Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in